SESSION-2022-23

# MAHARAJA SURAJMAL BRIJ UNIVERSITY
# BHARATPUR

## SYLLABUS

## FACULTY OF ARTS

## M.A. SANSKRIT LITERATURE (P & F)

## (ANNUAL SCHEME)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

# SYLLABUS
# M.A. (PREVIOUS) SANSKRIT
# ANNUAL SCHEME
# EXAMINATION-2018

एम.ए. संस्कृत (पूर्वार्द्ध) परीक्षा 2017–18 में चार प्रश्न पत्र होंगे। परीक्षार्थियों के लिए चारों प्रश्न पत्र अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न–पत्र का पूर्णांक 100 तथा समय की अवधि तीन घंटे निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 प्रतिशत अंक के प्रश्न संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जायेंगे।

अवधेयम्–

1. प्रत्येक प्रश्न–पत्र में निर्धारित पाठ्य विषयों अथवा ग्रन्थों के इतिहास, काव्यशास्त्रीय पक्ष, समालोचनात्मक तथ्य आदि से सम्बद्ध प्रश्न पूछे जायेंगे, जिससे परीक्षाओं के तत्सम्बन्धी ज्ञान का परीक्षण हो सके।
2. प्रत्येक प्रश्न–पत्र हिन्दी भाषा के माध्यम से बनाया जायेगा। परीक्षार्थी प्रश्न विशेष जिसका उत्तर परीक्षक ने संस्कृत में मांगा है, के अतिरिक्त सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं।

## एम.ए.(पूर्वार्द्ध) संस्कृत

| | |
|---|---|
| प्रथम प्रश्न–पत्र | वैदिक साहित्य और तुलनात्मक भाषा–विज्ञान |
| द्वितीय प्रश्न–पत्र | साहित्य एवं साहित्यशास्त्र |
| तृतीय प्रश्न–पत्र | भारतीय दर्शन |
| चतुर्थ प्रश्न–पत्र | व्याकरण एवं निबन्ध |

## एम.ए.(पूर्वार्द्ध) संस्कृत
## प्रथम प्रश्न–पत्र वैदिक साहित्य और तुलनात्मक भाषा विज्ञान

1. ऋग्वेद–निम्न सूक्तों का अध्ययन — 30 अंक
   (अग्नि–1.1, विष्णु 1.154, इन्द्र 2.12, रुद्र 2.33, वरुण 7.86,
   अक्ष 10.34,, पुरुष 10.90, हिरण्यगर्भ 1.121वाक् 10.125,नासदीय 10.129,)
2. यजुर्वेद (अध्याय 34)शिवसंकल्प सूक्त — 10 अंक
3. अथर्ववेद (12.1)पृथिवी सूक्त (भूमि सूक्त) 01 से 18 मंत्र — 10 अंक
4. निरुक्त– यास्क (प्रथम अध्याय) — 20 अंक
5. भाषा विज्ञान — 20 अंक
   (1) रूपरेखा, क्षेत्र, भाषा, उत्पत्ति के प्रमुख सिद्धान्त, उच्चारण स्थान, ध्वनियां, स्वर तथा व्यंजन
   (2) ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि नियम, भाषाओं का वर्गीकरण, अर्थ परिवर्तन के कारण, संस्कृत ध्वनियों का विकास , संस्कृत और अवेस्ता, संस्कृत और पालि, संस्कृत और प्राकृत।
6. वैदिक साहित्य का इतिहास — 10 अंक
   (वेद का रचनाकाल विषयकमत, वेद की अपौरुषयेता, वेद भाष्यकार, ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद, वेदांग)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

## विस्तृत अंक विभाजन

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1 | ऋग्वेद | 1 | ऋग्वेद के निर्धारित सूक्तों के चार मन्त्रों में से 02 मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या, जिनमें से एक व्याख्या संस्कृत माध्यम में करनी अनिवार्य है | 2x10=20 अंक |
| | | 2 | पदपाठ – प्रश्न संख्या 01 में दिए मन्त्रों में से किसी 01 मन्त्र का पदपाठ | 04 अंक |
| | | 3 | निर्धारित सूक्तों के दो देवताओं में से एक देवता का स्वरूप वर्णन | 06 अंक |
| 2 | यजुर्वेद | | यजुर्वेद के निर्धारित भाग के दो मंत्रों में से 01 की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| 3 | अथर्ववेद | 1 | निर्धारित अध्याय के 02 मन्त्रों में से 01 की संस्कृत माध्यम से सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| 4 | निरुक्त प्रथम अध्याय | 1 | चार उद्धरणों में से दो की सप्रसंग व्याख्या | 2x5=10 अंक |
| | | 2 | निर्धारित अध्याय के 10 पदों में से 5 का निर्वचन | 2x5=10 अंक |
| 5 | भाषा विज्ञान | 1 | रूपरेखा, क्षेत्र, भाषा उत्पत्ति के प्रमुख सिद्धान्त, उच्चारण स्थान, ध्वनियाँ, स्वर तथा व्यंजन बिन्दुओं में से 02 प्रश्न पूछकर 01 का उत्तर | 10 अंक |
| | | 2 | ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि नियम, भाषाओं का वर्गीकरण, अर्थ परिवर्तन के कारण, संस्कृत ध्वनियों का विकास, संस्कृत और अवेस्ता, संस्कृत और पालि, संस्कृत और प्राकृत बिन्दुओं से दो प्रश्नों में से 01 प्रश्न का उत्तर | 10 अंक |
| 6 | वैदिक साहित्य का इतिहस | | निर्धारित पाठ्यक्रम के बिन्दुओं में से 2 टिप्पणी पूछकर 1 पर टिप्पणी | 1x10=10 अंक |

**सहायक पुस्तकें –**


1. ऋक्सूक्त समुच्चय – डॉ. रामकृष्ण आचार्य–विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
2. ऋग्भाष्य संग्रह – देवराज चानना
3. वैदिक सूक्त संग्रह – डॉ. देवेन्द्रनाथ पाण्डेय, आयुर्वेद हिन्दी संस्कृत पुस्तक भण्डार, जयपुर।
4. ऋग्वेद चयनिका – विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी , विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. वैदिक वाङ्मयः एक परिशीलन – ब्रजविहारी चौबे
6. निरुक्त (प्रथम अध्याय) –डॉ श्रीकान्त पाण्डेय एवं डॉ कपिलदेव शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ,
7. निरुक्त – आचार्य विश्वेश्वर – ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी।
8. भाषाविज्ञान – डॉ भोलानाथ तिवारी, किताब महल, दिल्ली।
9. तुलनात्मक भाषा शास्त्र – डॉ मंगलदेव शास्त्री।
10. भाषा विज्ञान – डॉ. कर्णसिंह – साहित्य भण्डार, मेरठ।
11. वैदिक साहित्य का इतिहास – डॉ. कर्णसिंह – साहित्य भण्डार, मेरठ।
12. वैदिक साहित्य का इतिहास – डॉ. पारसनाथ द्विवेदी –चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी।
13. वैदिक साहित्य का इतिहास – डॉ. सुरेन्द्र देव शास्त्री– साहित्य भण्डार, मेरठ।


अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

2

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

(4)

SESSION-2022-23

## एम.ए.(पूर्वार्द्ध) संस्कृत
## द्वितीय प्रश्नपत्र–साहित्य एवं साहित्यशास्त्र

समय : 3 घण्टे  अंक : 100

अवधेयम्–

प्रश्न पत्र हिन्दी भाषा माध्यम से बनाया जाएगा। परीक्षार्थी प्रश्न विशेष जिसका उत्तर परीक्षक ने संस्कृत में मांगा है, के अतिरिक्त सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित है।

1. मेघदूत – 25 अंक
2. मुद्राराक्षस – 25 अंक
3. साहित्यदर्पण (प्रथम, द्वितीय परिच्छेद एवं तृतीय परिच्छेद की 28वीं कारिका तक) – 25 अंक
4. नाट्यशास्त्र (प्रथम, द्वितीय अध्याय) – 15 अंक
5. अलंकारशास्त्र का इतिहास – 10 अंक

### विस्तृत अंक विभाजन

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1 | मेघदूत | 1 | चार श्लोक (दो पूर्वार्द्ध भाग तथा दो उत्तरार्द्ध भाग में से) पूछकर दो की सप्रसंग व्याख्या जिनमें से एक की व्याख्या संस्कृत भाषा माध्यम से अनिवार्य | 2x7.5=15 अंक |
| | | 2 | दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर | 10 अंक |
| 2 | मुद्राराक्षस | 1 | चार श्लोकों में से दो की सप्रसंग व्याख्या | 2x7.5=15 अंक |
| | | 2 | दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर | 10 अंक |
| 3 | साहित्यदर्पण | 1 | चार कारिकाओं में से 01 की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी में, 01 संस्कृत में अपेक्षित। | 2x7.5=15 अंक |
| | | 2 | दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर | 10 अंक |
| 4 | नाट्यशास्त्र (प्रथम, द्वितीय अध्याय) | 1 | दो कारिकाओं में से एक की हिन्दी व्याख्या | 8 अंक |
| | | 2 | दो में से एक प्रश्न | 7 अंक |
| 5 | अलंकारशास्त्र का इतिहास | | निम्नलिखित आचार्यों में से दो में से एक पर टिप्पणी | 10 अंक |
| | | | भरतमुनि, भामह, दण्डी, रुद्रट, वामन, आनन्दवर्धन, कुन्तक, क्षेमेन्द्र, अभिनवगुप्त मम्मट, विश्वनाथ, हेमचन्द्र, रामचन्द–गुणचन्द्र, पंडितराज जगन्नाथ, विश्वेश्वर कविचन्द | |
| | | | कुल योग | 100 |

सहायक पुस्तकें –


1. मेघदूतम् व्याख्याकार– डॉ. रामकृष्ण आचार्य–विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
2. मेघदूतम् व्याख्याकार– डॉ. अर्कनाथ चौधरी– आयुर्वेद हिन्दी संस्कृत पुस्तक भण्डार, जयपुर।
3. संस्कृत के सन्देश काव्य–डॉ. रामकुमार आचार्य।
4. मुद्राराक्षसम् – डॉ रमाशंकर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. मुद्राराक्षसम् – डॉ निरूपण विद्यालंकार, साहित्य भण्डार, मेरठ।
6. साहित्यदर्पणम् – डॉ निरूपण विद्यालंकार, साहित्य भण्डार, मेरठ।
7. नाट्यशास्त्रम् (प्रथम, द्वितीय अध्याय) – डॉ. रूपनारायण त्रिपाठी, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
8. नाट्यशास्त्रम् (प्रथम, द्वितीय अध्याय) – डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
9. अंलकारशास्त्र का इतिहास – डॉ. कृष्णकुमार – साहित्य भण्डार, मेरठ।
10. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास – डॉ. पी.वी. काणे – मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।


अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

(5)

## तृतीय प्रश्न–पत्र–भारतीय दर्शन

समय : 3 घण्टे

अंक: 100

अवधेयम्–

प्रश्न पत्र हिन्दी भाषा के माध्यम से बनाया जाएगा। परीक्षार्थी प्रश्न विशेष जिसका उत्तर परीक्षक ने संस्कृत में मांगा है, के अतिरिक्त सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित है।

1. सांख्यकारिका – ईश्वरकृष्ण — 20 अंक
2. तर्कभाषा (प्रामाण्यवादपर्यन्त) – केशवमिश्र — 20 अंक
3. वेदान्तसार – सदानन्द — 15 अंक
4. योगसूत्रम (प्रथम व द्वितीय पाद) – पतंजलि — 20 अंक
5. अर्थसंग्रह (विधिभाग तक) – लौगाक्षिभास्कर — 15 अंक
6. भारतीय दर्शन का इतिहास — 10 अंक

### विस्तृत अंक विभाजन

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1 | सांख्यकारिका | 1 | चार कारिकाओं में से दो की सप्रसंग व्याख्या जिसमें से एक की व्याख्या संस्कृत भाषा माध्यम से अनिवार्य | 2X6=12 अंक |
| | | 2 | दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर | 8 अंक |
| 2 | तर्कभाषा | 1 | चार उद्धरणों में से दो उद्धरण की सप्रसंग व्याख्या, एक संस्कृत में अपेक्षित। | 2X6=12 अंक |
| | | 2 | दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर | 8 अंक |
| 3 | वेदान्तसार | 1 | चार उद्धरणों मे से दो उद्धरण की सप्रसंग व्याख्या | 2X5=10 अंक |
| | | 2 | दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर | 5 अंक |
| 4 | योगसूत्रम् | 1 | चार सूत्रों में से दो की व्याख्या | 2X6=12 अंक |
| | | 2 | दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत भाषा | 8 अंक |
| 5 | अर्थसंग्रह | 1 | दो उद्धरणों मे से एक उद्धरण की सप्रसंग व्याख्या | 8 अंक |
| | | 2 | दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर | 7 अंक |
| 6 | भारतीय दर्शन का इतिहास | 1 | आस्तिक और नास्तिक दर्शनों पर 2 टिप्पणी में से 1 टिप्पणी | 10 अंक |

**सहायक पुस्तकें –**


1. सांख्यकारिका – युक्तिदीपिका टीका सहित, सम्पादक– रमाशंकर त्रिपाठी, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी
2. सांख्यकारिका –डॉ. देवेन्द्रनाथ पाण्डेय, आयुर्वेद हिन्दी संस्कृत पुस्तक भण्डार, जयपुर।
3. सांख्यतत्त्वकौमुदी – रमाशंकर भट्टाचार्य, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
4. तर्कभाषा – आचार्य विश्वेश्वरसिद्धान्त शिरोमणि, चौखम्भाप्रकाशन, वाराणसी।
5. तर्कभाषा – आचार्य बदरीनाथ शुक्ल, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी।
6. तर्कभाषा – डॉ. अर्कनाथ चौधरी, आयुर्वेद हिन्दी संस्कृत पुस्तक भण्डार, जयपुर।
7. तर्कभाषा – डॉ. शिवबालक द्विवेदी, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
8. वेदान्तसार – डॉ. लम्बोदर मिश्र – हंसा प्रकाशन, जयपुर।
9. वेदान्तसार– डॉ. कृष्णकान्त त्रिपाठी, साहित्य भण्डार, मेरठ।
10. अर्थसंग्रह– डॉ. वाचस्पति उपाध्याय, चौखम्भाओरियण्टालिया, दिल्ली।
11. योगसूत्र – डॉ0 अमलधारी सिंह, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी।
12. योगसूत्र – डॉ0 सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी।
13. भारतीय दर्शन– प्रो0 हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
14. भारतीय दर्शन– प्रो0 दत्ता एवं चटर्जी, पटना


अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

## चतुर्थ प्रश्न–पत्र – व्याकरण एवं निबन्ध

समय : 3 घण्टे

अंक: 100

अवधेयम्–

प्रश्न पत्र हिन्दी भाषा के माध्यम से बनाया जाएगा। परीक्षार्थी प्रश्न विशेष जिसका उत्तर परीक्षक ने संस्कृत में मांगा है, के अतिरिक्त सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित है।

1. कारक (सिद्धान्त कौमुदी) — 20 अंक
2. पस्पशाह्निक (महाभाष्य) — 20 अंक
3. प्रक्रिया भाग – लघुसिद्धान्तकौमुदी (ण्यन्त, सन्नन्त, आत्मनेपद, परस्मैपद, लकारार्थ) — 25 अंक
4. निबन्ध — 20 अंक
5. व्याकरण शास्त्र का इतिहास — 15 अंक

### विस्तृत अंक विभाजन

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1 | कारक (सिद्धान्त कौमुदी) | 1 | चार सूत्रों में से दो की व्याख्या | 2X5=10 अंक |
| | | 2 | चार वाक्यों में से दो का कारण सहित अशुद्धि संशोधन | 2X5=10 अंक |
| 2 | पस्पशाह्निकम् (महाभाष्य) | 1 | दो गद्यांशों में से एक की हिन्दी व्याख्या | 2X5=10 अंक |
| | | 2 | दो में से एक प्रश्न | 1X10=10 अंक |
| 3 | प्रक्रिया भाग (लघुसिद्धान्तकौमुदी) | 1 | चार सूत्रों में से दो की व्याख्या | 2X5=10 अंक |
| | | 2 | 6 सिद्धियों में से 3 सिद्धियाँ | 3X5=15 अंक |
| 4 | निबन्ध (संस्कृत भाषा में) | 1 | वैदिक साहित्य, साहित्य, साहित्यशास्त्र, दर्शन और व्याकरण विषयों से 2–2 निबन्ध दिये जाकर कोई एक निबन्ध (उदाहरण के रूप में श्लोकों के सन्दर्भ देकर)संस्कृत भाषा में लिखना है। | 1X20=20 अंक |
| 5 | व्याकरण शास्त्र का इतिहास | 1 | व्याकरण शास्त्र के प्रसिद्ध ग्रन्थ और ग्रन्थकारों से संबंधित 4 टिप्पणी में से 2 टिप्पणी | 2X7.5=15 अंक |

सहायक पुस्तकें –


1. लघुसिद्धान्तकौमुदी – डॉ. भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली।
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी – डॉ. महेश सिंह कुशवाहा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी – डॉ. अर्कनाथ चौधरी, आयुर्वेद हिन्दी संस्कृत पुस्तक भण्डार, जयपुर।
4. संस्कृतनिबन्धशतकम्– डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. कारक--प्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी)–डॉ. अर्कनाथ चौधरी,आयुर्वेद हिन्दी संस्कृत पुस्तकभण्डार, जयपुर।
6. पस्पशाह्निकम्(महाभाष्य)– प्रो. जयशंकरलाल त्रिपाठी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी।
7. व्याकरणशास्त्र का इतिहास– युधिष्ठिर मीमांसक, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
8. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका– चक्रधर नौटियाल हंस, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
9. प्रौढरचनानुवादकौमुदी–डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
10. संस्कृत व्याकरण– डॉ0 बाबूराम त्रिपाठी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
11. एम0ए0संस्कृत व्याकरण–डॉ. श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ।
12. संस्कृतनिबन्धांजलिः डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।


अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

5.

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

# स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध

## संस्कृत

### M.A.(FINAL) SANSKRIT

### ANNUAL SCHEME

स्नातकोत्तर (एम.ए.)उत्तरार्द्धसंस्कृत परीक्षा में पाँच प्रश्न पत्र होंगे। परीक्षार्थियों के लिए पाँचों प्रश्न पत्र अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न–पत्र का पूर्णांक 100 तथा समय की अवधि तीन घंटे निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20 प्रतिशत अंक के प्रश्न संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जायेंगे।

**अवधेयम् –**

1. प्रत्येक प्रश्न–पत्र में निर्धारित पाठ्य–विषयों अथवा ग्रन्थों के इतिहास, काव्यशास्त्रीय पक्ष, समालोचनात्मक तथ्य आदि से सम्बद्ध प्रश्न पूछे जायेंगे, परीक्षाओं के तत्सम्बन्धी ज्ञान का परीक्षण हो सके।
2. प्रत्येक प्रश्न–पत्र हिन्दी भाषा के माध्यम से बनाया जायेगा। परीक्षार्थी प्रश्न विशेष जिसका उत्तर परीक्षक ने संस्कृत में मांगा है, के अतिरिक्त सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं।

## प्रश्न पत्रों का विवरण

| स्नातकोत्तर उत्तरार्द्ध संस्कृत | | | पूर्णांक |
|---|---|---|---|
| प्रथम प्रश्न पत्र | वर्ग 'अ' साहित्य एवं साहित्यशास्त्र | प्रत्येक वर्ग में से तीन तीन प्रश्न पत्र लेने अनिवार्य हैं | 100 |
| द्वितीय प्रश्न पत्र | वर्ग 'ब' दर्शनशास्त्र | | 100 |
| तृतीय प्रश्न पत्र | वर्ग 'स' व्याकरण शास्त्र<br>वर्ग 'द' वैदिक साहित्य<br>वर्ग 'य' धर्मशास्त्र<br>वर्ग 'र' इतिहास पुराण | | 100 |
| चतुर्थ प्रश्न पत्र | व्याकरण एवं अनुवाद | सभी वर्गों के लिए अनिवार्य | 100 |
| पंचम प्रश्न पत्र | प्राचीन संस्कृत साहित्य एवं शिलालेख<br>अथवा<br>आधुनिक संस्कृत साहित्य<br>अथवा<br>लघुशोध प्रबन्ध (नियमित विद्यार्थियों के लिये) | सभी वर्गों के लिए अनिवार्य | 100 |

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

6.

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

## एम.ए.(उत्तरार्द्ध) संस्कृत

### वर्ग 'अ' साहित्य एवं साहित्यशास्त्र

प्रथम प्रश्न पत्र– **साहित्यशास्त्र**

समय– 3 घण्टे | पूर्णांक–100

पाठ्यक्रम–

| | | |
|---|---|---|
| 1. काव्यप्रकाश | – मम्मट | 40 अंक |
| 2. ध्वन्यालोक | – आनन्दवर्धन | 20 अंक |
| 3. वक्रोक्तिजीवितम् | – कुन्तक | 20 अंक |
| 4. रसगंगाधर | – पं० राज जगन्नाथ | 10 अंक |
| 5. काव्यमीमांसा | –राजशेखर(एक से पाँच अध्याय पर्यन्त) | 10 अंक |

### विस्तृत अंक विभाजन

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | (अ) | काव्यप्रकाश के प्रथम और द्वितीय उल्लास से दो कारिका में से एक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | काव्यप्रकाश के तृतीय और चतुर्थ उल्लासों (रस की अलौकिकतापर्यन्त)में से दो कारिका में से एक की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| | (स) | काव्यप्रकाश के सप्तम उल्लास के रसदोष की कारिकाओं और अष्टम उल्लास से दो कारिकाओं में से एक की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| | (द) | काव्यप्रकाश के प्रथम से चतुर्थ उल्लास (रस की अलौकिकतापर्यन्त)तक भाग में से दो प्रश्नों में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| 2. | (अ) | ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) की चार कारिकाओं में से दो की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | ध्वन्यालोक(प्रथम उद्योत) से दो प्रश्नों में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| 3. | (अ) | वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष) की चार कारिका/श्लोकों में से दो की सप्रसंग व्याख्या (एक की संस्कृत में व्याख्या अपेक्षित है।) | 10 अंक |
| | (ब) | वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष) से दो प्रश्नों में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| 4. | | रसगंगाधर के प्रथम आनन में से चार टिप्पणियों में से दो पर टिप्पणी | 10 |
| 5. | | काव्यमीमांसा प्रथम से पंचम अध्याय तक से दो गद्यांशों में से एक की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |

सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें –


1. काव्यप्रकाश– आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी।
2. काव्यप्रकाश –डॉ. श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ।
3. काव्यप्रकाश – डॉ. सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
4. काव्यप्रकाश – डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
5. काव्यप्रकाशविमर्श–डॉ. अनीश मिश्र, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।
6. ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) – आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी।
7. ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) – डॉ.जगन्नाथ पाठक, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
8. ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) – डॉ.कृष्ण कुमार, साहित्य भण्डार, मेरठ ।
9. वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष) – डॉ. राधेश्याम मिश्र, चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी।
10. वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष) –डॉ. विमली एवं डॉ. डिण्डोरिया,शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।
11. वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष) –डॉ. लोकमणिदाहाल, चौ. सं० सीरीज,वाराणसी।
12. रसगंगाधर (प्रथम आनन) – आचार्य बदरीनाथ झा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
13. रसगंगाधर (प्रथम आनन) – डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, सम्पूर्णानन्द सं. विश्व. वाराणसी।
14. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र – मृदुल जोशी, सत्यम् पब्लिशिंग हाउस दिल्ली।
15. काव्यमीमांसा – डॉ. रमाकान्त पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर।
16. काव्यमीमांसा – डॉ. रविकान्त मणि, हंसा प्रकाशन, जयपुर।


अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

7

SESSION-2022-23

# एम.ए.(उत्तरार्द्ध) संस्कृत

## वर्ग 'अ' साहित्य एवं साहित्यशास्त्र

द्वितीय प्रश्न पत्र –नाट्य एवं नाट्यशास्त्र

समय– 3 घण्टे पूर्णांक–100

**पाठ्यक्रम–**

| | | |
|---|---|---|
| 1. उत्तररामचरितम् | – भवभूति | 30 अंक |
| 2. मृच्छकटिकम् | – शूद्रक | 30 अंक |
| 3. दशरूपकम् (प्रथम एवं चतुर्थ प्रकाश)– | धनंजय | 25 अंक |
| 4. नाट्यशास्त्रम्(षष्ठ अध्याय) | – भरत मुनि | 15 अंक |

### विस्तृत अंक विभाजन

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | (अ) | उत्तररामचरितम् के प्रथम सेतृतीय अंक में से दो श्लोकों में से एक श्लोक की सप्रसंग संस्कृत व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | उत्तररामचरितम्चतुर्थ से सप्तम अंक में से दो श्लोकों में से एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| | (स) | उत्तररामचरितम् पर आधारित दो प्रश्नों में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| 2. | (अ) | मृच्छकटिकम् के प्रथम से चतुर्थ अंक तक के दो श्लोकों में से एक श्लोक की सप्रसंग संस्कृत व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | मृच्छकटिकम् के पंचम से दशम अंक तक के दो श्लोकों में से एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| | (स) | मृच्छकटिकम् पर आधारित दो प्रश्नों में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| 3. | (अ) | दशरूपकम् के प्रथम प्रकाश में से दो कारिकाओं में से एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या | 08 अंक |
| | (ब) | दशरूपकम् के चतुर्थ प्रकाश में से दो कारिकाओं में से एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या | 08 अंक |
| | (स) | दशरूपकम् के प्रथम और चतुर्थ प्रकाश पर आधारित दो प्रश्नों में से एक प्रश्न | 09 अंक |
| 4. | (अ) | नाट्यशास्त्र के षष्ठ अध्याय में से दो कारिका/श्लोकों में से एक की सप्रसंग व्याख्या | 07 अंक |
| | (ब) | नाट्यशास्त्र के षष्ठ अध्याय में से दो प्रश्नों में से एक प्रश्न | 08 अंक |

**सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें –**


1. उत्तररामचरितम्– आचार्य प्रभुदत्त स्वामी, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ।
2. उत्तररामचरितम्– डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।
3. उत्तररामचरितम्– डॉ. श्रीनिवास मिश्र, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
4. उत्तररामचरितम्– डॉ. शिवबालक द्विवेदी, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
5. मृच्छकटिकम् – डॉ. शिवबालक द्विवेदी, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
6. मृच्छकटिकम् – डॉ. जयशंकरलाल त्रिपाठी, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।
7. मृच्छकटिकम् – डॉ. कृष्णकान्त त्रिपाठी, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर।
8. मृच्छकटिकम् – डॉ. श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ।
9. दशरूपकम्– डॉ. गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर।
10. दशरूपकम्–डॉ. श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ।
11. दशरूपकम् – डॉ. भोलाशंकर व्यास–चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी।
12. दशरूपकम्–डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
13. दशरूपकम्– डॉ. रामजीउपाध्याय – चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी।
14. नाट्यशास्त्र (षष्ठ अध्याय)– आचार्य विश्वेश्वर– हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली।
15. नाट्यशास्त्र (षष्ठ अध्याय)– डॉ.ब्रजमोहन चतुर्वेदी, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली।
16. नाट्यशास्त्र (षष्ठ अध्याय)– डॉ.रामसिंह चौहान, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
17. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ. रामानन्द शर्मा, लोकवाणी संस्थान, दिल्ली
18. संस्कृत नाटक और रंगमंच – डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली
19. नाट्यशास्त्र में निरूपित लक्षण और सिद्धान्त– डॉ. उषा सिंह, ईस्टर्न बुकलिंकर्स, दिल्ली।


8.

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

## SESSION-2022-23

### एम.ए.(उत्तरार्द्ध) संस्कृत

### वर्ग 'अ' साहित्य एवं साहित्यशास्त्र

तृतीय प्रश्न पत्र–**श्रव्य एवं दृश्य काव्य**

समय– 3 घण्टे पूर्णांक–100

**पाठ्यक्रम–**

1. नैषधीयचरितम् (तृतीय सर्ग) – श्रीहर्ष 30 अंक
2. नलचम्पू(प्रथम उच्छ्वास)– त्रिविकम भट्ट 20 अंक
3. विश्रुतचरितम्(दशकुमारचरितम्, अष्टमोच्छ्वास)– दण्डी 20 अंक
4. कादम्बरीकथामुखम् – बाणभट्ट 30 अंक

**विस्तृत अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | (अ) | नैषधीयचरितम् महाकाव्यके तृतीयसर्ग के चार श्लोकों में से दो श्लोकों की सप्रसंग संस्कृत व्याख्या | 20 अंक |
| | (ब) | नैषधीयचरितम महाकाव्यके तृतीय सर्ग के आधार पर दो में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| 2. | (अ) | नलचम्पू (प्रथम उच्छ्वास) के दो श्लोकों में से एक श्लोक की सप्रसंग संस्कृत व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | नलचम्पू (प्रथम उच्छ्वास) पर आधारित दो प्रश्नों में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| 3. | (अ) | दशकुमारचरितम के अष्टम उच्छ्वास विश्रुतचरितम् से दो गद्यांशोंमें से एक की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | विश्रुतचरितम् पर आधारित दो प्रश्नों में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| 4. | (अ) | कादम्बरीकथामुखम् के वैशम्पायनस्तु–सादरमब्रवीत–देव!महतीयंकथा से लेकर शबरचरितवर्णन – सकलेन तेन सैन्येनानुगम्यमानः शनैः शनैरभिमतमयासीम् तक के पठनीय अंश से चार गद्यांशों में से दो की सप्रसंग व्याख्या | 20 अंक |
| | (ब) | कादम्बरीकथामुखम् के उपर्युक्तपठनीय अंश पर दो प्रश्नों में से एक प्रश्न | 10 अंक |

**सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें –**

1. नैषधीयचरितम् (तृतीय सर्ग) –डॉ.श्रीनिवास ओझा,शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
2. नैषधीयचरितम् (तृतीय सर्ग)– डॉ. प्रभाकर शास्त्री एवं डॉ.रूपनारायण त्रिपाठी, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
3. नैषधीयचरितम् (तृतीय सर्ग)– डॉ. सुरेन्द्रदेव शास्त्री, चौखम्बा ओरियन्टालिया, दिल्ली।
4. नैषधीयचरितम् (तृतीय सर्ग)– डॉ. निरंजन मिश्र, सत्यम् पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
5. नलचम्पू (प्रथम उच्छ्वास)– डॉ. धारादत्त शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
6. नलचम्पू (प्रथम उच्छ्वास)– डॉ. निरंजन मिश्र, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
7. नलचम्पू (प्रथम उच्छ्वास) – डॉ. परमेश्वरदीन पाण्डेय,चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
8. विश्रुतचरितम् – डॉ. विश्वनाथ शर्मा,हंसा प्रकाशन, जयपुर।
9. विश्रुतचरितम् – डॉ. चन्द्रशेखर, युवराज पब्लिकेशन, आगरा।
10. कादम्बरीकथामुखम्– डॉ. सन्तोष कुमार पाण्डेय, सपना अशोक प्रकाशन, वाराणसी।
11. कादम्बरीकथामुखम्– डॉ.राजेन्द्र मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहबाद।
12. कादम्बरीकथामुखम् , डॉ. आद्या प्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहबाद।
13. कादम्बरीकथामुखम् – डॉ. शिवबालक द्विवेदी, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
14. कादम्बरीकथामुखम् –पं. तारिणीश झा, रामनारायणलाल बेनीमाधव, इलाहाबाद।
15. कादम्बरीकथामुखम् – पं. रामनाथ शर्मा सुमन, साहित्य भण्डार, मेरठ।
16. बाणभट्ट का साहित्यिक अनुशीलन– डॉ. अमरनाथ पाण्डेय, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
17. संस्कृत भाषा और साहित्य – डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।
18. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. सच्चिदानन्द तिवारी, शिवांग प्रकाशन, दिल्ली।

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

9.

**SESSION-2022-23**

## एम.ए.(उत्तरार्द्ध) संस्कृत

### वर्ग 'अ' साहित्य एवं साहित्यशास्त्र

अथवा

तृतीय प्रश्न पत्र–विशेष कवि का अध्ययन– **भास**

समय– 3 घण्टे पूर्णांक–100

पाठ्यक्रम–

1. कर्णभार — 10 अंक
2. दूतवाक्यम् — 10 अंक
3. प्रतिज्ञायौगन्धरायणम् — 10 अंक
4. बालचरितम् — 20 अंक
5. प्रतिमानाटकम् — 20 अंक
6. समालोचनात्मक प्रश्न — 30 अंक

#### विस्तृत अंक विभाजन

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | | कर्णभारः में से दो श्लोकों में से एक श्लोक की सप्रसंग संस्कृत व्याख्या | 10 अंक |
| 2. | | दूतवाक्यम्में से दो श्लोकों में से एक श्लोक की सप्रसंग संस्कृत व्याख्या | 10 अंक |
| 3. | | प्रतिज्ञायौगन्धरायण में से दो श्लोकों में से एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| 4. | (अ) | बालचरितम् के प्रथम एवं द्वितीय अंकोंमें से दो श्लोकों में से एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | बालचरितम् के तृतीय से पंचम अंक में से दो श्लोकों में से एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| 5. | (अ) | प्रतिमानाटकम् के प्रथम से तृतीय अंकों में से दो में से एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | प्रतिमानाटकम् के चतुर्थ से सप्तम अंकों में से दो में से एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| 6. | | नाटककार भास एवं उनकी कृतियों पर आधारित चार में से दो प्रश्न | 30 अंक |

सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें –


1. कर्णभारः – डॉ. रामजी मिश्र, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
2. कर्णभारः – डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
3. दूतवाक्यम्– डॉ. गंगासागर राम, चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी।
4. दूतवाक्यम्– डॉ. अमियचन्द शास्त्री, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
5. दूतवाक्यम्– डॉ. पुष्पा गुप्ता, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
6. प्रतिज्ञायौगन्धरायण् – डॉ. सुषमा पाण्डेय,मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
7. प्रतिज्ञायौगन्धरायण् – डॉ. श्रीकान्त पाण्डेय, साहित्य भण्डार, मेरठ।
8. बालचरितम्– डॉ. कमलेश दत्त त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
9. बालचरितम् –डॉ. रामजी मिश्र, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
10. प्रतिमानाटकम्– डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायणलाल बेनीमाधव, इलाहाबाद।
11. प्रतिमानाटकम्– डॉ. रूपनारायण त्रिपाठी, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
12. भासनाटकचक्रम् (भाग 1–2) – आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
13. भासनाटकचक्रम् (भाग 1–2)–डॉ. सुधाकर मालवीय, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।
14. महाकवि भासः एक अध्ययन – आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
15. महाकवि भास – डॉ. नेमीचन्द शास्त्री, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल।
16. महाकवि भास के दृश्यकाव्यों में विरोधी इच्छाओं का संघर्ष– डॉ. राजाराम, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली।


अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

10

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

**SESSION-2022-23**

## एम.ए.(उत्तरार्द्ध) संस्कृत

### वर्ग 'अ' साहित्य एवं साहित्यशास्त्र

**अथवा**

तृतीय प्रश्न पत्र–विशेष कवि का अध्ययन–**कालिदास**

समय– 3 घण्टे पूर्णांक–100

पाठ्यक्रम–

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | **मालविकाग्निमित्रम्** | (प्रथम से तृतीय अंक) | 10 अंक |
| 2. | **विक्रमोर्वशीयम्** | (प्रथम से तृतीय अंक) | 10 अंक |
| 3. | **ऋतुसंहारम्** | (ग्रीष्म, वर्षा और बसन्त ऋतुओं का वर्णन) | 10 अंक |
| 4. | **रघुवंशम्** | (पंचम एवं त्रयोदश सर्ग) | 20 अंक |
| 5. | **कुमारसंभवम्** | (प्रथम एवंपंचम सर्ग) | 20 अंक |
| 5. | **कालिदास की कृतियों पर आधारित समालोचनात्मक प्रश्न** | | 30 अंक |

**विस्तृत अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | मालविकाग्निमित्रम्केप्रथम से तृतीय अंक से दो में से एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या | | 10 अंक |
| 2. | विक्रमोर्वशीयम्केप्रथम से तृतीय अंक से दो में से एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या | | 10 अंक |
| 3. | ऋतुसंहार की ग्रीष्म, वर्षा और बसन्त ऋतु से सम्बन्धित दो श्लोकों में से एक की सप्रसंग व्याख्या) | | 10 अंक |
| 4. | (अ) | रघुवंशम् के पंचम सर्ग के एक से चालीस तक के दो श्लोकों में से एक श्लोक की सप्रसंग संस्कृत व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | रघुवंशम् के त्रयोदश सर्ग के एक से चालीस तक के दो श्लोकों में से एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| 5. | (अ) | कुमारसंभवम् के प्रथम सर्ग के एक चालीस तक के दो श्लोकों में से एक श्लोक की सप्रसंग संस्कृतव्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | कुमारसंभवम् के पंचम सर्ग के एक चालीस तक के दो श्लोकों में से एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| 6. | कालिदास एवं उनकी कृतियों पर आधारित चार में से दो प्रश्न | | 30 अंक |

**सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें –**


1. मालविकाग्निमित्रम्– डॉ. देवनारायण मिश्र, साहित्य भण्डार, मेरठ।
2. मालविकाग्निमित्रम् – डॉ. अगम कुलश्रेष्ठ, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
3. मालविकाग्निमित्रम् – पं. तारिणीश झा, रामनारायणलाल बेनीमाधव, इलाहाबाद।


अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

4. विक्रमोर्वशीयम् – पं. रामाभिलाष त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
5. विक्रमोर्वशीयम्–पं. चुन्नीलाल शुक्ल, साहित्य भण्डार, मेरठ।
6. विक्रमोर्वशीयम्– डॉ. अखिलेश पाठक, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ।
7. ऋतुसंहार – डॉ. रविकान्त मणि, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
8. ऋतुसंहार – डॉ. शिवप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
9. रघुवंशम्(पंचम सर्ग) – डॉ.शिवराम शर्मा, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
10. रघुवंशम् (पंचम सर्ग)– डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
11. रघुवंशम् (पंचम सर्ग)– आचार्य प्रेमराज, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
12. रघुवंशम् (त्रयोदश सर्ग)– डॉ. राजेश सिंह, सत्यम् पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
13. रघुवंशम् (त्रयोदश सर्ग)– डॉ. नर्वदेश्वर त्रिपाठी, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
14. रघुवंशम् (त्रयोदश सर्ग)– डॉ. रविकान्त मणि, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
15. कुमारसंभवम्(प्रथम सर्ग)– डॉ. जगदीश प्रसाद शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
16. कुमारसंभवम् (प्रथम सर्ग)–डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
17. कुमारसंभवम् (पंचम सर्ग)– डॉ. विनोद विहारी शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
18. कुमारसंभवम् (पंचम सर्ग)–डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
19. कुमारसंभवम् (पंचम सर्ग) – डॉ. प्रीतिप्रभा गोयल एवं डॉ. कीर्तिभूषण, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
20. कालिदास ग्रन्थावली – ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
21. कालिदास ग्रन्थावली – पं. सीताराम चतुर्वेदी, उ० प्र० सं० संस्थान, लखनउ।
22. कालिदास ग्रन्थावली –पं. रेवाप्रसाद द्विवेदी, कालिदास संस्थान, वाराणसी।
23. रघुवंश में वर्णित जीवन मूल्य– डॉ. रामसिंह चौहान, रितु पब्लिकेशन, जयपुर
24. महाकवि कालिदास–डॉ. रमाशंकर तिवारी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
25. महाकवि कालिदास – डॉ. अमरनाथ पाण्डेय, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
26. महाकवि कालिदास – डॉ. केशवराम मुसलगांवकर, चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी।
27. महाकवि कालिदास – डॉ. प्रभुदयाल अग्निहोत्री, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली
28. कालिदास परिशीलन– डॉ. कैलाशनाथ द्विवेदी, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
29. महाकवि कालिदास और उनका महाकाव्य शिल्प – रामप्यारे मिश्र, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली
30. कालिदास साहित्य में सौन्दर्य एवं सामंजस्य – प्रो. पुष्पेन्द्र कुमार, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली
31. कालिदास के रूपकों में त्रासदीय तत्व –डॉ. नाथूलाल सुमन, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
32. महाभारतकार एवं कालिदास की काव्यकला– डॉ. राकेश शास्त्री, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
33. कालिदास एवं उसकी काव्यकला– डॉ. वागीश्वर विद्यालंकार, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
34. संस्कृत भाषा और साहित्य – डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली
35. Kalidas: A Counter Perspective, Dr. N.K.Jha, Abhisek Prakashan . Delhi.

अकादमिक प्रभारी 12
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

# एम.ए.(उत्तरार्द्ध) संस्कृत

## वर्ग 'ब' दर्शनशास्त्र

**प्रथम प्रश्न पत्र–न्याय और वैशेषिक दर्शन**

समय– 3 घण्टे पूर्णांक–100

पाठ्यक्रम

1. **न्यायसूत्र** (वात्स्यायन भाष्य सहित) प्रथम अध्याय 20अंक
2. **प्रशस्तपादभाष्य**(प्रारम्भ से बुद्धिनिरूपण तक) 20अंक
3. **न्यायसिद्धान्तमुक्तावली** (प्रत्यक्ष खण्ड) 20अंक
4. **न्यायसिद्धान्तमुक्तावली** (अनुमान खण्ड) 20अंक
5. **न्यायसिद्धान्तमुक्तावली** (शब्द खण्ड) 20अंक

### विस्तृत अंक विभाजन

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | (अ) | न्याय सूत्र के प्रथम अध्याय से दो में से एक सूत्र की संस्कृत व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | न्याय सूत्र के प्रथम अध्याय पर आधारित दो में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| 2. | (अ) | प्रशस्तपादभाष्य (प्रारम्भ से बुद्धिनिरूपण तक) से दो में से एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | प्रशस्तपादभाष्य के पठनीय अंश पर आधारित दो में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| | | | |
| 3. | (अ) | न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यय खण्ड) से दो कारिकाओं में से एक की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | प्रत्यय खण्ड पर आधारित दो में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| 4. | (अ) | न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमान खण्ड) से दो कारिकाओं में से एक की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (अनुमान खण्ड) पर आधारित दो में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| 5. | (अ) | न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (शब्द खण्ड) से दो कारिकाओं में से एक की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | शब्द खण्ड पर आधारित दो में से एक प्रश्न | 10 अंक |

**सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें–**


1. न्यायसूत्रः – सं. द्वारिकादास शास्त्री, बौद्धभारती, वाराणसी
2. न्यायदर्शन– सच्चिदानन्द मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाशन,दिल्ली
3. प्रशस्तपादभाष्य– डॉ.श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भंडार, मेरठ
4. प्रशस्तपादभाष्य(न्यायकन्दली सहित)– दुर्गाधर झा, सम्पूर्णानन्द सं.विश्व. वाराणसी
5. प्रशस्तपादभाष्य– आचार्य दुण्ढिराज शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
6. वैशेषिक एवं जैन तत्व मीमासा में द्रव्य का स्वरूप– डॉ. पंकज कु मिश्र, परिमलपब्लिकेशन्स, दिल्ली
7. न्याय वैशेषिकः एक चिन्तन– डॉ राममूर्ति शर्मा, रा. सं. संस्थान, नई दिल्ली
8. वैशेषिक दर्शनः एक अध्ययन–प्रो. नारायण मिश्र, चौखम्भा विद्याभवन,वाराणसी
9. न्याय वैशेषिकः एक चिन्तन– डॉ राममूर्ति शर्मा, रा. सं. संस्थान, नई दिल्ली
10. प्रमाणमंजरी– डॉ. पंकज कुमार मिश्र, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली
11. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली–डॉ. गणेशदत्त शास्त्री शुक्ल, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
12. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली(प्रत्यक्ष खण्ड)– धर्मेन्द्रनाथ शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
13. कारिकावली मुक्तावली(अनुमान खण्ड)– आचार्य लोकमणि दाहाल, चौखम्बा विद्याभवन,वाराणसी
14. न्यायसिद्धान्त मुक्तावली (शब्द खण्ड)– दयाशंकर शास्त्री, सुरभारती प्रकाशन, कानपुर


अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

13

**SESSION-2022-23**

# एम.ए.(उत्तरार्द्ध) संस्कृत
## वर्ग 'ब' दर्शनशास्त्र

द्वितीय प्रश्न पत्र–**सांख्य, योग और मीमांसा दर्शन**

समय– 3 घण्टे पूर्णांक–100

पाठ्यक्रम

1. **साँख्यकारिका** (साँख्यतत्त्वकौमुदी सहित) 20 अंक
2. **योगसूत्र** (व्यासभाष्य सहित) समाधिपाद 20 अंक
3. **योगसूत्र** (व्यासभाष्य सहित) साधनपाद 20 अंक
4. **जैमिनीसूत्र** (शाबरभाष्य) तर्कपाद 20 अंक
5. **अर्थसंग्रह** 20 अंक

### विस्तृत अंक विभाजन

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | (अ) | साँख्यकारिका (साँख्यतत्त्वकौमुदी सहित) से 1 से 30 कारिका में से दो में से एक कारिका की सप्रसंग संस्कृत व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | उपर्युक्त पठनीय अंश पर आधारित दो में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| 2. | (अ) | योगसूत्र(व्यासभाष्य सहित) के समाधि पाद से दो में से एक सूत्र की सप्रसंग संस्कृत व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | उपर्युक्त पठनीय अंश पर आधारित दो में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| 3. | (अ) | योगसूत्र(व्यासभाष्य सहित) के साधन पाद से दो में से एक सूत्र की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | उपर्युक्त पठनीय अंश पर आधारित दो में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| 4. | (अ) | जैमिनीसूत्र(शाबरभाष्य) के तर्कपाद से दो में से एक सूत्र की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | उपर्युक्त पठनीय अंश पर आधारित दो में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| 5. | (अ) | अर्थसंग्रह में से दो में से एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | उपर्युक्त पठनीय अंश पर आधारित दो में से एक प्रश्न | 10 अंक |

### सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें


1. साँख्यकारिका (साँख्यतत्त्वकौमुदी सहित)– डॉ. आद्याप्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
2. साँख्यकारिका (साँख्यतत्त्वकौमुदी सहित)– डॉ. गजानन शास्त्री, मुसलगाँवकर, चौ स. संस्थान,
3. साँख्यकारिका (साँख्यतत्त्वकौमुदी सहित)– डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
4. सांख्यकारिका–डॉ. रमेशचन्द्र पाण्डेय, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
5. पातञ्जलयोगदर्शन – डॉ.अमलधारी सिंह, भारतीय विद्या भवन प्रकाशन, नई दिल्ली
6. पातञ्जलयोगदर्शन – डॉ.रमाशंकर त्रिपाठी, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी
7. पातञ्जलयोग दर्शन – डॉ. नारायण मिश्र, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली
8. पातंजलयोग दर्शन –एक अध्ययन–डॉ. रघुवीर वेदालंकार, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली
9. सांख्ययोग दर्शन – प्रो. संगीता सिंह विद्यालंकार, सत्यम् पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
10. मीमांसा दर्शन (शाबरभाष्य) तर्कपाद – डॉ. उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा विद्याभवन,वाराणसी
11. जैमिनीसूत्रम्– कमलाकान्त शुक्ल, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्व, वाराणसी
12. अर्थसंग्रह– डॉ.कामेश्वरनाथ मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
13. अर्थसंग्रह– डॉ.दयाशंकर शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
14. मीमांसा दर्शन का विवेचनात्मक इतिहास– डॉ. गजानन शास्त्री, मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।


अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

**SESSION-2022-23**

## एम.ए.(उत्तरार्द्ध) संस्कृत
### वर्ग 'ब' दर्शनशास्त्र

तृतीय प्रश्न पत्र :–**वेदान्त, शैवागम और अवैदिक दर्शन**

समय– 3 घण्टे पूर्णांक–100

पाठ्यक्रम

1. **ब्रह्मसूत्रचतुःसूत्री**(शांकरभाष्यसहित) 20 अंक
2. **माण्डूक्यकारिका** 20 अंक
3. **परमार्थसार** 20 अंक
4. **वेदान्तपरिभाषा** (प्रत्यक्ष परिच्छेद) 20 अंक
5. **सर्वदर्शनसंग्रह** (जैन एवं बौद्धदर्शन मात्र) 20 अंक

विस्तृत अंक विभाजन

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | (अ) | ब्रह्मसूत्रचतुःसूत्री में से दो में से एक की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | ब्रह्मसूत्रचतुःसूत्री में से दो में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| 2. | (अ) | माण्डूक्यकारिका में से दो कारिकाओं में से एक की सप्रसंग संस्कृत व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | माण्डूक्यकारिका में से दो में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| 3. | (अ) | परमार्थसार में से दो कारिकाओं में से एक की सप्रसंग संस्कृत व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | परमार्थसार में से दो में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| 4. | (अ) | वेदान्तपरिभाषा (प्रत्यक्ष परिच्छेद) में से दो में से एक की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | वेदान्तपरिभाषा (प्रत्यक्ष परिच्छेद) में से दो में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| 5. | (अ) | सर्वदर्शनसंग्रह के जैन दर्शन भाग से दो गद्यांशों में से एक की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | सर्वदर्शनसंग्रह के बौद्धदर्शन भाग से दो गद्यांशों में से एक की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |

**सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें**


1. ब्रह्मसूत्रम् (1–3)–भोले बाबा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. ब्रह्मसूत्रचतुःसूत्री – आचार्य विश्वेश्वर, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. ब्रह्मसूत्रचतुःसूत्री – पं.हरदत्त शर्मा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
4. माण्डूक्यकारिका – गौडपाद, आनन्दआश्रम,पूना
5. नितांक्षरा(वेदान्त)माण्डूक्यकारिका व्याख्या, रत्नगोपाल भट्ट, चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी
6. परमार्थसार – डॉ. रामचन्द्र द्विवेदी एवं डॉ. कमला द्विवेदी, मोतीलाल बनारसीदास,दिल्ली
7. वेदान्तपरिभाषा– डॉ. गजानन शास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
8. वेदान्तपरिभाषा– केशवलाल वि. शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
9. वेदान्तपरिभाषा– प्रो. पारसनाथ द्विवेदी, सम्पूर्णानन्द सं. वि.वि., वाराणसी
10. सर्वदर्शनसंग्रह– प्रो. उमाशंकर शर्माऋषि, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
11. सर्वदर्शनसंग्रह एवं शंकरदर्शन– डॉ. पंकज कुमार मिश्र, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली
12. अद्वैतवेदान्त मे आभासवाद– डॉ. सत्यदेव मिश्र,इन्दिरा प्रकाशन, पटना
13. भारतीय दर्शन – डॉ. जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
14. भारतीय दर्शन – डॉ. सरोज गुप्ता, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली
15. भारतीय दर्शन – डॉ. दिलीप कुमार झा, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली
16. भारतीय दर्शन – डॉ.जयदेव विद्यालंकार, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली
17. भारतीय दर्शन का परिशीलन– डॉ.रमाशंकर त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली


अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

15

# SESSION-2022-23

## एम.ए.(उत्तरार्द्ध) संस्कृत
## वर्ग 'स' व्याकरण शास्त्र

प्रथम प्रश्न पत्र– **वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी**

समय– 3 घण्टे पूर्णांक–100

### पाठ्यक्रम

1. **वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी**– संज्ञा, परिभाषा एवं सन्धि प्रकरण 20 अंक
2. **वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी**– सुबन्त प्रकरण 20 अंक
3. **वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी**–भ्वादिगण(पंक्त्यंश को छोड़कर) 20 अंक
4. **वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी**– अदादिगण से चुरादिगण( पंक्त्यंश को छोड़कर ) 40 अंक

### विस्तृत अंक विभाजन

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | (अ) | वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी के संज्ञा, परिभाषा एवं सन्धि प्रकरण से चार में से दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | उपर्युक्त पठनीय अंश से चार में से दो पदों की संस्कृत में रूपसिद्धि | 10 अंक |
| 2. | (अ) | वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी के सुबन्त प्रकरण से चार में से दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | उपर्युक्त पठनीय अंश से चार में से दो पदों की संस्कृत में रूपसिद्धि | 10 अंक |
| 3. | (अ) | वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी के भ्वादिगण(पंक्त्यंश को छोडकर) में से चार में से दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | उपर्युक्त पठनीय अंश से चार में से दो पदों की रूपसिद्धि | 10 अंक |
| 4. | (अ) | वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी के अदादिगण,जुहोत्यादिगण, दिवादिगण और स्वादिगण (पंक्त्यंश को छोडकर) में से चार में से दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | उपर्युक्त पठनीय अंश से चार में से दो पदों की रूपसिद्धि | 10 अंक |
| | (स) | वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी के तुदादि, रुधादि, तनादि, क्रयादि और चुरादिगण (पंक्त्यंश को छोड़कर) में से चार में से दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या | 10 अंक |
| | (द) | उपर्युक्त पठनीय अंश से चार में से दो पदों की रूपसिद्धि | 10 अंक |

### सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें–


1. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (संज्ञा, परिभाषा प्रकरणमात्रम्)– डा. सत्यपालसिंह, शिवालिक प्रकाशन,दिल्ली।
2. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी– गोपालदत्त पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
3. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी– सभापति शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास,दिल्ली
4. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी– पं. शिवप्रसाद शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
5. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (1–4 भाग)–डॉ. रामरंग शर्मा, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली
6. सिद्धान्तकौमुदी -- डॉ. ब्रह्मा नन्द शुक्ल, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
7. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदीरत्नाकर– प्रो. आजाद मिश्र, सत्यम पब्लिशिंग हाउस दिल्ली
8. अष्टाध्यायी– डॉ. अभिमन्यु, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
9. पाणिनीयप्रक्रियाग्रन्थपंचकसमीक्षा – डॉ. अभिमन्यु, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली


अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

# एम.ए.(उत्तरार्द्ध) संस्कृत
## वर्ग 'स' व्याकरण शास्त्र

द्वितीय प्रश्न पत्र–**प्रक्रिया एवं दर्शन**

समय– 3 घण्टे पूर्णांक–100

पाठ्यक्रम

1. **वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी**– अव्ययीभाव एवं तत्पुरुष समास प्रकरण 20 अंक
2. **वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी**– बहुव्रीहिसमासप्रकरण से अलुक्समास प्रकरणान्त 20 अंक
3. **वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी**– आत्मनेपद एवं परस्मैपद 20 अंक
4. महाभाष्य– (प्रथम आह्निक–प्रदीपोद्योत सहित) 20 अंक
5. महाभाष्य– (द्वितीय आह्निक–प्रदीपोद्योत सहित) 20 अंक

### विस्तृत अंक विभाजन

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | (अ) | सिद्धान्तकौमुदी के अव्ययीभाव एवं तत्पुरुष समास प्रकरण भाग से चार में से दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | उपर्युक्त पठनीय अंश से चार में से दो पदों की संस्कृत में ससूत्र रूपसिद्धि | 10 अंक |
| 2. | (अ) | सिद्धान्तकौमुदी के बहुव्रीहिसमासप्रकरण से अलुक् समास प्रकरण तक में से चार में से दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्य | 10 अंक |
| | (ब) | उपर्युक्त पठनीय अंश से चार में से दो पदों की ससूत्र रूपसिद्धि | 10 अंक |
| 3. | (अ) | सिद्धान्तकौमुदी के आत्मनेपद एवं परस्मैपद प्रकिया में से चार में से दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | उपर्युक्त पठनीय अंश में से चार में से दो वाक्यों का संस्कृत भाषा में अशुद्धि संशोधन(कारणात्मक सूत्र सहित) | 10 अंक |
| 4. | (अ) | महाभाष्य(प्रथम आह्निक) से चार गद्यांशों में से दो की व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | उपर्युक्त पठनीय अंश से चार में से दो पदों की रूपसिद्धि | 10 अंक |
| 5. | (अ) | महाभाष्य (द्वितीय आह्निक ) में से चार गद्यांशों में से दो व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | उपर्युक्त पठनीय अंश में से दो में से एक प्रश्न | 10 अंक |

**सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें**

1. सिद्धान्तकौमुदी – गोपालदत्त पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. सिद्धान्तकौमुदी (समास प्रकरण)– जगदीश लाल शास्त्री एवं मधुबाला शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी– श्री गुरुप्रसाद शास्त्री एवं बाल शास्त्री, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
4. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी– डॉ. रामविलास चौधरी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
5. महाभाष्य – वासुदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास,दिल्ली
6. व्याकरणमहाभाष्यम्– प्रदीप एवं उद्योत सहित, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
7. व्याकरणमहाभाष्य – भीमसिंह वेदालंकार, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली
8. व्याकरणमहाभाष्य (पश्पशाह्निकम्)– डॉ.सत्यप्रकाश दुबे, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
9. व्याकरणमहाभाष्य – आचार्य मधुसूदन प्रसाद मिश्र, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
10. पाणिनीयप्रकियाग्रन्थपंचकसमीक्षा – डॉ. अभिमन्यु, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
11. पाणिनीयं व्याकरणम् – डॉ. हरिशंकर पाण्डेय, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

# SESSION-2022-23

## एम.ए.(उत्तरार्द्ध) संस्कृत
## वर्ग 'स' व्याकरण शास्त्र

तृतीय प्रश्न पत्र–**व्याकरण दर्शन**

समय – 3 घण्टे पूर्णांक–100

पाठ्यक्रम–

1. **वाक्यपदीयम्**– (ब्रह्मकाण्ड) स्वोपज्ञ टीका सहित,कारिका 1–43 20 अंक
2. **वाक्यपदीयम्**– (ब्रह्मकाण्ड) स्वोपज्ञ टीका सहित,कारिका 44–106 20 अंक
3. **वाक्यपदीयम्**– (ब्रह्मकाण्ड) स्वोपज्ञ टीका सहित,कारिका 107–156 20 अंक
4. **वैयाकरणभूषणसार** (धात्वर्थनिरूपण, लकारार्थ) 20 अंक
5. **वैयाकरणभूषणसार** (स्फोटनिर्णय) 20 अंक

### विस्तृत अंक विभाजन

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | (अ) | वाक्यपदीयम्, ब्रह्मकाण्ड की कारिका 1–43 में से दो में से एक कारिका की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | उपर्युक्त पठनीय अंश में से दो में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| 2. | (अ) | वाक्यपदीयम्, ब्रह्मकाण्ड की कारिका 44–106 में से दो में से एक कारिका की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | उपर्युक्त पठनीय अंश में से दो में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| 3. | (अ) | वाक्यपदीयम्, ब्रह्मकाण्ड की कारिका 107–156 में से दो में से एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | उपर्युक्त पठनीय अंश में से दो में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| 4. | (अ) | वैयाकरणभूषणसार के धात्वर्थ निरूपण, लकारार्थ प्रकिया में से दो में से एक की व्याख्या (कारिका/गद्यांश) | 10 अंक |
| | (ब) | उपर्युक्त पठनीय अंश में से दो में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| 5 | (अ) | वैयाकरणभूषणसार के स्फोटनिर्णय से दो में से एक कारिकांश/गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या | 10 अंक |
| | (ब) | उपर्युक्त पठनीय अंश में से दो में से एक प्रश्न | 10 अंक |

**सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें –**


1. वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्ड)– शिवशंकर अवस्थी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्ड)– रघुनाथ शर्मा, सम्पूर्णानन्द सं. विश्व. वाराणसी
3. वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्ड)– डॉ. रमेशचन्द्र पाण्डेय, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
4. भर्तृहरिका वाक्यपदीय– अनु. के.ए.सुब्रह्मण्य अय्यर, राज. हि.ग्र. अ., जयपुर
5. भर्तृहरि का वाक्यपदीय– डॉ. कान्ता भाटिया, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली
6. वैयाकरणभूषणसार(धात्वर्थनिरूपण) – पं. भीमसेन शास्त्री, मैमीप्रकाशन, दिल्ली
7. वैयाकरणभूषणसार (धात्वर्थनिरूपण) – डॉ. चन्द्रिकाप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन,
8. वैयाकरणभूषणसार (धात्वर्थनिरूपण) – आद्याप्रसाद मिश्र, सम्पूर्णानन्द स. विश्व., वाराणसी
9. वैयाकरणभूषणसार (धात्वर्थनिरूपण) – गुरुप्रसाद शास्त्री प्रो.बाल शास्त्री, चौखम्बा विद्या भवन,
10. अष्टाध्यायी– डॉ. अभिमन्यु, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
11. पाणिनीयप्रक्रियाग्रन्थपंचकसमीक्षा – डॉ. अभिमन्यु, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
12. संस्कृत व्याकरण दर्शन – प्रो. भीमसिंह वेदालंकार, पेनमेन प्रकाशन, दिल्ली
13. व्याकरणदर्शनभूमिका – आचार्य रामाज्ञा पाण्डेय, सम्पूर्णानन्द सं. विश्व. वाराणसी


अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

# SESSION-2022-23

## एम.ए.(उत्तरार्द्ध) संस्कृत
### वर्ग 'द' वैदिक साहित्य

प्रथम प्रश्न पत्र--संहितापाठ

समय-- 3 घण्टे | पूर्णांक--100

पाठ्यक्रम--

1. ऋग्वेद--(चयनित सूक्त) -- 35 अंक
2. अथर्ववेद--(चयनित सूक्त) -- 35 अंक
3. वाजसनेयीसंहिता-- अध्याय 1,32 एवं 36 -- 15 अंक
4. ऋग्वेदभाष्यभूमिका-- 15 अंक

विस्तृत अंक विभाजन

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | ऋग्वेद के निम्नलिखित सूक्त पठनीय हैं-- 1/115, 5/1, 7/95, 10/71, 10/117, 10/151, 10/159, 10/164, 10/190 | | |
| | (अ) | उपर्युक्त सूक्तों में से 6 में से 3 मंत्रों की सप्रसंग व्याख्या, एक व्याख्या संस्कृत में अपेक्षित है। | 10+8+9 अंक |
| | (ब) | उपर्युक्त सूक्तों में से 2 में से किसी एक देवता का सोदाहरण स्वरूप | 08 अंक |
| 2. | अथर्ववेद के निम्नलिखित सूक्त पठनीय हैं-- 1/5, 2/28,33, 3/12,16, 4/30, 8/9, 9/9 (1 से 14 मन्त्र, अस्य वामस्य ), 11/4 (प्राण), 5 (ब्रह्मचारी) 19/52,53 | | |
| | (अ) | उपर्युक्त सूक्तों में से 6 में से 3 मंत्रों की सप्रसंग व्याख्या | 27 अंक |
| | (ब) | उपर्युक्त सूक्तों में से 2 में से किसी एक देवता का सोदाहरण स्वरूप | 08 अंक |
| 3. | वाजसनेयीसंहिता के अध्याय 1, 32 एवं 36 से चार में से दो गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या | | 15 अंक |
| 4. | (अ) | सायण कृत ऋग्वेदभाष्यभूमिका से दो में से एक संस्कृत भाषा में प्रश्न | 10 अंक |
| | (ब) | ऋग्वेदभाष्यभूमिका से दो में से एक पर टिप्पणी | 05 अंक |

सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें--


1. ऋग्वेदसंहिता--पं. रामगोविन्द त्रिवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
2. शुक्लयजुर्वेदसंहिता-- डॉ. रामकृष्ण शास्त्री,चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
3. अथर्ववेदसंहिता -- पं. रामस्वरूप गौड, चौखम्बा पब्लिसिंग हाउस, दिल्ली।
4. वेदसूक्तचयनम् --डॉ. कुमरपाल सिंह, युवराज पब्लिकेशन्स, आगरा।
5. वैदिकमंजूषा -- डॉ. सुधीर कुमार, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।
6. ऋक्सूक्तसंग्रह -- डॉ. मीरा वाणी, युवराज पब्लिकेशन्स, आगरा।
7. ऋक्सूक्तमंजूषा --डॉ. महावीर, सत्यम् पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
8. ऋक्सूक्तसंग्रह -- प्रो. संगीता सिंह विद्यालंकार,सत्यम् पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
9. हिन्दी ऋग्वेदभाष्यभूमिका--जगन्नाथ पाठक, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
10. ऋग्वेदभाष्यभूमिका -- रामअवध पाण्डेय एवं रविनाथ मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
11. ऋग्वेदभाष्यभूमिका -- शारदा चतुर्वेदी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज ऑफिस, वाराणसी।
12. ऋग्वेद पर ऐतिहासिक दृष्टि -- विश्वेश्वरनाथ रेऊ, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
13. वाजसनेयीसंहिता एवं तैत्तिरीयसंहिता का तुलनात्मक अध्ययन--केशवप्रसाद द्विवेदी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्व वि., वाराणसी।


अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

**SESSION-2022-23**

## एम.ए (उत्तरार्द्ध) संस्कृत
### वर्ग 'द' वैदिक साहित्य

द्वितीय प्रश्न पत्र–**ब्राह्मण, उपनिषद् तथा वैदिक सहायक ग्रन्थ**

समय– 3 घण्टे | पूर्णांक–100

**पाठ्यक्रम–**

1. **ऐतरेय ब्राह्मण**– प्रथम पंजिका, प्रथन अध्याय — 20 अंक
2. **शतपथ ब्राह्मण**–(माध्यन्दिन) काण्ड–1, अध्याय–1 — 20 अंक
3. **निरुक्त**– (यास्क)– द्वितीय एवं सप्तम अध्याय — 30 अंक
4. **ऋक्प्रातिशाख्य**– 1, 2 पटल – — 10 अंक
5. **छान्दोग्योपनिषद**– प्रथम अध्याय, 1–2 कण्डिकाएँ — 20 अंक

### विस्तृत अंक विभाजन

| | | |
|---|---|---|
| 1. | ऐतरेय ब्राह्मण, प्रथम पंजिका, प्रथम अध्याय में से चार में से दो गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या | 20 अंक |
| 2. | शतपथ ब्राह्मण(माध्यन्दिन) काण्ड–1, अध्याय–1 में से चार में से दो गद्यांशों की व्याख्या | 20 अंक |
| 3. | (अ) निरुक्त के द्वितीय एवं सप्तम अध्यायों में से चार में से दो गद्यांशों की व्याख्या (एक व्याख्या संस्कृत में अपेक्षित है) | 20 अंक |
| | (ब) उपर्युक्त पठनीय अंश से दो में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| 4. | ऋक्प्रातिशाख्य (1, 2 पटल) में से दो में से एक प्रश्न का संस्कृत में उत्तर | 10 अंक |
| 5. | (अ) छान्दोग्योपनिषद प्रथम अध्याय की दो कण्डिकाओं में से चार मंत्रो/गद्यांशों में से दो की सप्रसंग व्याख्या | 12 अंक |
| | (ब) उपर्युक्त पठनीय अंश से दो में से एक प्रश्न | 08 अंक |

**सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें –**


1. ऐतरेय ब्राह्मण – सायण भाष्य एवं हिन्दी टीका, तारा पब्लिकेशन, वाराणसी।
2. ऐतरेय ब्राह्मण – श्रीसद्गुरुशिष्या, रा0सं0 सं0 नई दिल्ली।
3. शतपथ ब्राह्मण (सायण भाष्य सहित)– चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
4. निरुक्त (1–7 अध्याय)–डॉ. उमाशंकर शर्मा, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
5. निरुक्त (1, 2 एवं 7 अध्याय) – डॉ. कपिलदेवशास्त्री/श्रीकान्त पाण्डेय, साहित्य भण्डार, मेरठ।
6. निरुक्त (1, 2 एवं 7 अध्याय) – डॉ. जमुना पाठक, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।
7. निरुक्त– पं. सीताराम शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली।
8. निरुक्त मीमांसा – शिवनारायण शास्त्री, इण्डोलोजिकल बुक हाउस, वाराणसी।
9. ऋक्प्रातिशाख्यः एक परिशीलन–डॉ. वीरेन्द्र कुमार वर्मा, बी.एच.यू., वाराणसी।
10. ऋक्प्रातिशाख्य–डॉ. वीरेन्द्र कुमार वर्मा,चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
11. छान्दोग्योपनिषद्–रायबहादुर बाबू जालिम सिंह, वाराणसी।
12. छान्दोग्योपनिषद् – गीताप्रेस, गोरखपुर।


अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

## एम.ए.(उत्तरार्द्ध) संस्कृत
## वर्ग 'द' वैदिक साहित्य

तृतीय प्रश्न पत्र–वैदिक धर्म, देवशास्त्र एवं वैदिकी प्रकिया

समय– 3 घण्टे पूर्णांक–100

पाठ्यक्रम–

| | |
|---|---|
| 1. वैदिक धर्म का तुलनात्मक अध्ययन | 30 अंक |
| 2. ऋग्वेद के सप्तम एवं दशम मण्डल का अध्ययन | 15 अंक |
| 3. बृहद्देवता– (प्रथम अध्याय) | 15 अंक |
| 4. प्रमुख वैदिक भाष्यकार | 20 अंक |
| 5. महर्षिकुलवैभवम्– (मधुसूदन ओझा) | 10 अंक |
| 6. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी– (वैदिकी प्रकिया) | 10 अंक |

### विस्तृत अंक विभाजन

| | | |
|---|---|---|
| 1. | वैदिक धर्म के तुलनात्मक अध्ययन से सम्बधित चार में से दो प्रश्न | 30 अंक |
| 2. | ऋग्वेद के सप्तम एवं दशम मण्डल से सम्बधित चार में से दो प्रश्न | 15 अंक |
| 3. | बृहद्देवता (प्रथम अध्याय) से दो में से एक प्रश्न | 15 अंक |
| 4. | प्रमुख वैदिक भाष्यकारों – सायण, यास्क, महीधर, महर्षि अरविन्द, बालगंगाधर तिलक, महर्षि दयानन्द, पं. मधुसूदन ओझा, मैक्समूलर, मैक्डोनल, बेबर, विंटरनिट्ज, ग्रिफिथ, जेकोबी, याकोबी, विन्टरनिट्ज में से चार में से दो पर टिप्पणी, एक संस्कृत में करनी है। | 20 अंक |
| 5. | महर्षिकुलवैभवम् पर आधारित दो में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| 6. | सिद्धान्तकौमुदी की वैदिकी प्रकिया पर आधारित दो में से एक संस्कृत में प्रश्न | 10 अंक |

### सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें –


1. वैदिक धर्म एवं दर्शन– सूर्यकान्त, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
2. प्रमुख धर्मों का तुलनात्मक विवेचन– डॉ. वशिष्ठनारायण त्रिपाठी, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी ।
3. वैदिक देवता दर्शन (1–2 भाग)– डॉ. पी.डी. अग्निहोत्री, ईस्टर्न बुकलिंकर्स, दिल्ली।
4. वैदिक साहित्य और संस्कृति– बलदेव उपाध्याय, शारदा संस्थान, वाराणसी।
5. वैदिक साहित्य और संस्कृति – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
6. वैदिक साहित्य एवं संस्कृतिः एक परिचय–डॉ. कंचन लता पाण्डेय, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।
7. वैदिक संस्कृति– डॉ. गोविन्द चन्द्र पाण्डेय, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।
8. भारतीय कला और संस्कृति – भगवतीलाल राजपुरोहित, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।
9. वैदिक और वैदिकोत्तर भारतीय संस्कृति– गंगाधर मिश्र, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
10. सत्यार्थ प्रकाश – दयानन्द, वैदिक पुस्तकालय, अजमेर।
11. वैदिक साहित्य का इतिहास – डा. पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
12. वैदिक साहित्य का इतिहास'– डा. गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा सं. संस्थान, वाराणसी
13. वेदकालीन समाज – डा. शिवदत्त ज्ञानी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
14. बृहद्देवता– डॉ. रामकमार राय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
15. महर्षिकुलवैभवम् – राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर।
16. सिद्धान्तकौमुदी –वैदिकी प्रकिया, डॉ. उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
17. वेदविज्ञान–विश्वकोश – लेखक, प्रो. दयानन्द भार्गव, सम्पादक: प्रो. प्रभावती चौधरी एवं प्रो. सत्यप्रकाश दुबे, पं मधुसूदन ओझा शोध प्रकोष्ठ, संस्कृत विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर (राज०)


अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

# SESSION-2022-23

## एम.ए.(उत्तरार्द्ध) संस्कृत

### वर्ग 'य' धर्मशास्त्र

प्रथम प्रश्न पत्र–**धर्मसूत्र और धर्मशास्त्र का इतिहास**

समय– 3 घण्टे पूर्णांक–100

पाठ्यक्रम–

1. **गौतमधर्मसूत्राणि– (सम्पूर्ण)** 75 अंक
2. धर्मशास्त्र का इतिहास 25 अंक

### विस्तृत अंक विभाजन

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | (अ) | गौतमधर्मसूत्राणि से10 सूत्रोंमें से पांच सूत्र की सप्रसंग व्याख्या | 35 अंक |
| | (ब) | गौतमधर्मसूत्राणि पर आधारित 8 में से 4 प्रश्न(जिनमें एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत में देना है) | 40 अंक |
| 2. | (अ) | धर्मशास्त्र का इतिहास (प्रमुख सूत्रकार, स्मृतियाँ एवं निबन्धकारों का इतिहास) में से चार ग्रन्थकारों अथवा ग्रन्थों (धर्मशास्त्रीय) में से दो का परिचय | 15 अंक |
| | (ब) | धर्मशास्त्र के इतिहासकारों के विषय में दो प्रश्नों में से एक प्रश्न संस्कृत में | 10 अंक |

**सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें–**

1. गौतमधर्मसूत्राणि –डॉ. उमेश चन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
2. गौतमधर्मसूत्राणि – डॉ. प्रभाकर शास्त्री एवंडॉ. विकास शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
3. गौतमधर्मसूत्र – डां. नरेन्द्र कुमार, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली।
4. धर्मशास्त्र का इतिहास, प्रथम खण्ड– डॉ. पी. वी. काणे, उ. प्र. हिन्दी संस्थान,लखनऊ।
5. धर्मद्रुम– डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय,चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

**SESSION-2022-23**

# एम.ए.(उत्तरार्द्ध) संस्कृत
## वर्ग 'य' धर्मशास्त्र

द्वितीय प्रश्न पत्र–**स्मृतिशास्त्र**

समय– 3 घण्टे पूर्णांक–100

**पाठ्यक्रम–**

1. **मनुस्मृति**– (तृतीय से षष्ठ अध्याय) 50 अंक
2. **याज्ञवल्क्यस्मृति**– व्यवहाराध्याय (1 से 7 प्रकरण) – 25 अंक
3. **विश्वेश्वरस्मृति**– 25 अंक

**विस्तृत अंक विभाजन**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | (अ) | मनुस्मृति के तृतीय से षष्ठ अध्याय चार में से दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या (जिनमें से एक की संस्कृत में व्याख्या करनी है) | 20 अंक |
| | (ब) | उपर्युक्त पठनीय अंश से दो प्रश्नों में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| | (स) | उपर्युक्त पठनीय अंश से चार में से दो पर टिप्पणी | 20 अंक |
| 2. | (अ) | याज्ञवल्क्यस्मृति के व्यवहाराध्याय के प्रथम से सात प्रकरण में से चार में से दो की सप्रसंग व्याख्या | 15 अंक |
| | (ब) | उपर्युक्त पठनीय अंश से दो में से एक परसंस्कृत में टिप्पणी | 10 अंक |
| 3. | (अ) | विश्वेश्वरस्मृति से चार में से दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या | 15 अंक |
| | (ब) | विश्वेश्वरस्मृति से दो में से एक प्रश्न | 10 अंक |

**सहायकएवं सन्दर्भ पुस्तकें –**


1. मनुस्मृति –पं. हरगोविन्द शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी।
2. मनुस्मृति – डॉ. जयकुमार जैन, साहित्य भण्डार, मेरठ।
3. मनुस्मृति – पं. शिवराज आचार्य कौडिन्न्यायन, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी।
4. याज्ञवल्क्यस्मृति– डॉ. उमेश चन्द पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
5. याज्ञवल्क्यस्मृति– डॉ. गंगासागर राय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
6. विश्वेश्वरस्मृति – प्रकाशक– राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर।
7. अष्टादशस्मृति – मिहिरचन्द, रा0सं0 सं0 नई दिल्ली।
8. स्मृतियों में आचार मीमांसा– उषा जोशी शर्मा, सत्यम् पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
9. स्मृतियों में उपस्थापित कर्म सिद्धान्त – सुषमा देवी, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।
10. याज्ञवल्क्यस्मृतिका व्यावहारिक एवं सैद्धान्तिक पक्ष – राजीव नयन, सत्यम् पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
11. स्मृति ग्रन्थों में वर्णित समाज– डॉ. मीना शुक्ला, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।


अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

28

**SESSION-2022-23**

# एम.ए.(उत्तरार्द्ध) संस्कृत

## वर्ग 'य' धर्मशास्त्र

तृतीय प्रश्न पत्र–**निबन्ध साहित्य, व्यवहार एवं प्रायश्चित ज्ञान**

समय– 3 घण्टे पूर्णांक–100

पाठ्यक्रम–

1. **धर्मसिन्धु**–(काशीनाथ उपाध्याय) प्रथम एवं द्वितीय परिच्छेद 50 अंक
2. **याज्ञवल्क्यस्मृति**– व्यवहाराध्याय (अष्टम प्रकरण–दाय भाग) 25 अंक
3. **याज्ञवल्क्यस्मृति**– प्रायश्चित्त अध्याय 25 अंक

### विस्तृत अंक विभाजन

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | (अ) | धर्मसिन्धु के प्रथम एवं द्वितीय परिच्छेद से चार बिन्दुओं में से दो का विवेचन (एक का संस्कृत में) | 20 अंक |
| | (ब) | धर्मसिन्धु के पठनीय अंश से 6 प्रश्नों में से 3 टिप्पणी(एकसंस्कृत में) | 30 अंक |
| 2. | (अ) | याज्ञवल्क्यस्मृति के व्यवहाराध्याय के प्रथम से अष्टम प्रकरण दाय भागसे चार श्लोक में से दो की सप्रसंग व्याख्या | 16 अंक |
| | (ब) | उपर्युक्त पठनीय अंश से दो मे से एक प्रश्न | 09 अंक |
| 3. | (अ) | याज्ञवल्क्यस्मृति, प्रायश्चित्त अध्याय से चार में से दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या | 16 अंक |
| | (ब) | उपर्युक्त पठनीय अंश से दो में से एक पर टिप्पणी | 09 अंक |

**सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें –**


1. धर्मसिन्धु – प. राजवैद्य रविदत्त शास्त्री, चौखम्बा सस्कृत संस्थान, वाराणसी।
2. धर्मसिन्धु –श्री वासुदेव लक्ष्मण शास्त्री पणीकर, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
3. धर्मसिन्धु – पं. मिहिरचन्द्र, चौखम्बा संस्कृत सीरीज ऑफिस, वाराणसी।
4. याज्ञवल्क्यस्मृति– डॉ. उमेश चन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
5. याज्ञवल्क्यस्मृति– डॉ. गंगासागर राय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
6. दायभाग डॉ. सुशीला पोद्दार, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
7. याज्ञवल्क्यस्मृति (दाय भाग) – वाई.एस. रमेश, हंसा प्रकाशन, जयपुर।


अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

**SESSION-2022-23**

## एम.ए.(उत्तरार्द्ध) संस्कृत
### वर्ग'र' इतिहास पुराण

समय– 3 घण्टे — पूर्णांक–100

प्रथम प्रश्न पत्र–इतिहास पुराण का परिचय तथा इतिहास

पाठ्यक्रम

| | | |
|---|---|---|
| 1. | इतिहास व पुराण का स्वरूप, रामायण और महाभारत | 20 अंक |
| 2. | अष्टादश पुराणों का परिचय व पंचलक्षण | 20 अंक |
| 3. | इतिहास और पुराणों में आख्यान, पुराकथा तथा ऐतिहासिक वृत्त | 20 अंक |
| 4. | महाभारत– नलोपाख्यान | 20 अंक |
| 5. | राजतरंगिणी– सप्तम तरंग | 20 अंक |

### विस्तृत अंक विभाजन

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | | इतिहास व पुराण का स्वरूप, रामायण और महाभारत– में से चार में से दो प्रश्न, एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत में | 20 अंक |
| 2. | | अष्टादश पुराणों का परिचय व पंच लक्षण में से चार में से दो प्रश्न | 20 अंक |
| 3. | | इतिहास और पुराणों में आख्यान,पुराकथा तथा ऐतिहासिक, वृत्त विषय पर आधारित चार में से दो प्रश्न | 20 अंक |
| 4. | | महाभारत के नलोपाख्यान में चार में से दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या, दो व्याख्याओं में से एक संस्कृत भाषा में करनी है। | 20 अंक |
| 5. | (अ) | राजतरंगिणी–सप्तम तरंग में से चार में से दो गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या | 12 अंक |
| | (ब) | उपर्युक्त पठनीय अंश में दो में से एक प्रश्न | 08 अंक |

सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें–

1. रामायणकालीन समाज और संस्कृति– डॉ. शांतिकुमार व्यास, सस्ता साहित्य मण्डल,दिल्ली।
2. रामायणकालीन समाज और संस्कृति– डॉ.जगदीश चन्द्र भट्ट, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली।
3. वाल्मीकि रामायण में राजनीतिक तत्व– डॉ. रामेश्वरप्रसाद गुप्त, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।
4. वाल्मीकि रामायण की वैज्ञानिक उपादेयता– डॉ.विष्णु नारा. तिवारी, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।
5. महाभारतवचनामृत, चारुदेव शास्त्री, परिमल प्रकाशन दिल्ली।
6. महाभारतसर्वस्वम्– पं. कुबेरनाथ शुक्ल, सम्पूर्णानन्द सं. विश्व. वाराणसी।
7. नलोपाख्यानम्– गंगासहाय प्रेमी, हरीश प्रकाशन मन्दिर, आगरा।
8. नलोपाख्यानम्– काशीनाथ द्विवेदी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी।
9. महाभारतकालीन संस्कृति– डॉ. सुजाता मेहता, भारतीय विद्या प्रकाशन,दिल्ली।
10. पुराण विमर्श – आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
11. पुराण परिशीलन– सिद्धेश्वरी नारायण राय, राका प्रकाशन, इलाहाबाद।
12. पुराण तत्त्व मीमांसा– डॉ. श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली।
13. पौराणिक आख्यान – डॉ. गंगासागर राय, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली।
14. पुराणों में सृष्टि और प्रलय– कृष्णचन्द्र सिंह, सत्यम् पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
15. श्रीमद्भागवत में जीवन दर्शन– डॉ. आशा सिंह रावत, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।
16. श्रीमद्भागवत के संवादों और उपदेशों का तात्त्विक विवेचन– डॉ. कल्याण सिंह, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।
17. भागवत, महाभारत और रामायण में छिपे रहस्य– राधा गुप्ता, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली।
18. राजतरंगिणी– पं. रामतेज पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली।
19. कल्हण की राजतरंगिणी में राजनैतिक परिस्थितियाँ– कमलेश गर्ग, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली।

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

# एम.ए.(उत्तरार्द्ध) संस्कृत

## वर्ग 'ङ' इतिहास पुराण

द्वितीय प्रश्न पत्र–**इतिहास काव्य**

समय– 3 घण्टे पूर्णांक–100

**पाठ्यक्रम–**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | **वाल्मीकि रामायणम्**– सुन्दरकाण्ड, प्रथम–15 सर्ग | 20 अंक |
| 2. | **वाल्मीकि रामायणम्**– सुन्दरकाण्ड, 16 – 30 सर्ग | 20 अंक |
| 3. | **महाभारत**– आदि पर्व, अध्याय 1–20 | 20 अंक |
| 4. | **महाभारत**– आदि पर्व, अध्याय 21–40 | 20 अंक |
| 5. | **महाभारत** – शांति पर्व, राजधर्म प्रकरण, अध्याय 50–70 | 20 अंक |

### विस्तृत अंक विभाजन

| | | |
|---|---|---|
| 1. | वाल्मीकि रामायण, सुन्दरकाण्ड, प्रथम–15 सर्गों से चार में से दो की सप्रसंग व्याख्या (उपर्युक्त पठनीय अंश में से दो व्याख्याओं में से एक संस्कृत भाषा में करनी है) | 20 अंक |
| 2. | सुन्दरकाण्ड के सोलह से तीसवें सर्ग से चार में से दो सप्रसंग व्याख्या | 20 अंक |
| 3. | महाभारत, आदि पर्व 1 से 20 अध्याय में से चार में से दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या, एक संस्कृत भाषा में करनी है। | 20 अंक |
| 4. | महाभारत, आदि पर्व 21 से 40 अध्याय में से चार में से दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या | 20 अंक |
| 5. | महाभारत शांति पर्व, राजधर्म प्रकरण पर आधारित चार में से दो प्रश्न | 20 अंक |

**सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें –**


1. वाल्मीकिरामायण – गीताप्रेस, गोरखपुर।
2. वाल्मीकिरामायण – पं. द्वारका प्रसाद शर्मा एवं पं. तारिणीश झा, रामनारायणलाल अरुणकुमार, इलाहाबाद।
3. वाल्मीकिरामायण सुन्दरकाण्ड(15 वाँ सर्ग), हंसा प्रकाशन,जयपुर।
4. रामायणम्(1–7 भाग),कट्टि शास्त्री श्रीनिवास, रा.सं.संस्थान,दिल्ली।
5. रामायणकालीन भारत– जितेन्द्र प्रतापसिंह, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।
6. रामायण(तिलक टीका, 1–2 भाग)– वासुदेवलक्ष्मण शास्त्रीपणशीकर– श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय सं. विद्यापीठ, दिल्ली।
7. वाल्मीकि का राजधर्म – डॉ. अमरनाथ शर्मा, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
8. महाभारत – गीताप्रेस, गोरखपुर।
9. भागवत, महाभारत और रामायण में छिपे रहस्य– राधा गुप्ता, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली।


अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

# एम.ए.(उत्तरार्द्ध) संस्कृत
## वर्ग'र इतिहास पुराण

तृतीय प्रश्न पत्र–**पुराण साहित्य**

समय-- 3 घण्टे पूर्णांक–100

**पाठ्यक्रम--**

1. **श्रीमद्भागवत**– पंचमस्कन्ध 20 अंक
2. **विष्णुपुराण**– प्रथम 10 अध्याय 20 अंक
3. **पद्मपुराण**– स्वर्णखण्ड अथवा स्कन्ध पुराण– रेवाखण्ड 20 अंक
4. **मत्स्यपुराण**– अध्याय 1 से 25(कुरुवंश वर्णन तक) 20 अंक
5. **मत्स्यपुराण**– अध्याय 26 से 50 तक 20 अंक

### विस्तृत अंक विभाजन

| | | |
|---|---|---|
| 1. | श्रीमद्भागवत के पंचमस्कन्ध से चार में से दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या(एक सप्रसंग व्याख्या संस्कृत में करनी है) | 20 अंक |
| 2. | विष्णुपुराण के प्रथम 10 अध्याय में से चार में से दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या | 20 अंक |
| 3. | पद्मपुराण (स्वर्ण खण्ड) अथवा स्कन्ध पुराण (रेखाखण्ड) में से चार में से दो प्रश्न | 20 अंक |
| 4. | मत्स्यपुराण,अध्याय एक से 25 तक में से चार में से दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या (एक सप्रसंग व्याख्या संस्कृत में करनी है) | 20 अंक |
| 5. | मत्स्यपुराण,अध्याय 26 से 50 तक में से चार में से दो प्रश्न | 20 अंक |

### सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें


1. श्रीमद्भागवत – पं. रामतेज पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली।
2. श्रीमद्भागवत(आंग्ल भाषा टीका)– पी. कुमार, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली।
3. श्रीमद्भागवत – डॉ राममूर्ति शास्त्री पौराणिक, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली।
4. श्रीमद्भागवत में जीवन दर्शन– डॉ. आशा सिंह रावत, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।
5. श्रीमद्भागवत के संवादों और उपदेशों का तात्त्विक विवेचन– डॉ. कल्याण सिंह रावत, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।
6. भागवत, महाभारत और रामायण में छिपे रहस्य– राधा गुप्ता, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली।
7. विष्णुपुराण – पं. थानेश चन्द्र उप्रेती, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
8. विष्णुपुराण – (हिन्दी टीका) पं. थानेश चन्द्र उप्रेती, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
9. विष्णुपुराण --डॉ शिव प्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
10. विष्णु के अवतारों में मूर्ति की महत्ता – रूपेश कुमार, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।
11. पद्म पुराण– (आंग्ल भाषा टीका), एन.ए.देशपांडे, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
12. पद्म पुराण– डॉ शिव प्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
13. स्कन्ध पुराण(मूल मात्र)– चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
14. स्कन्ध पुराण(आंग्ल भाषा टीका)– जी.वी.टैगोर, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
15. मत्स्यपुराण – श्री कालीचरण एवं पं. बस्तीराम, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी ।
16. मत्स्यपुराण (आंग्ल भाषा टीका)– के. एल. जोशी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
17. अष्टादशपुराणदर्पण– पं. ज्वालाप्रसाद मिश्र, रा. सं.संस्थान,दिल्ली।


अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

**SESSION-2022-23**

## एम.ए.संस्कृत उत्तरार्द्ध
## (सभी वर्गों के लिए अनिवार्य)

चतुर्थ प्रश्न पत्र— **व्याकरण एवं अनुवाद**

समय— 3 घण्टे पूर्णांक—100

**पाठ्यक्रम—**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | **लघुसिद्धान्तकौमुदी**— पूर्वकृदन्तप्रकरण(कृत्यप्रक्रिया सहित) | 20 अंक |
| 2. | **लघुसिद्धान्तकौमुदी**— उत्तरकृदन्त प्रकरण | 20 अंक |
| 3. | **लघुसिद्धान्तकौमुदी**— तद्धितप्रकरण (शैषिक प्रकरण पर्यन्त) | 20 अंक |
| 4. | **लघुसिद्धान्तकौमुदी**—स्त्री प्रत्यय | 20 अंक |
| 5. | **लघुसिद्धान्तकौमुदी**—समास प्रकरण | 10 अंक |
| 6. | **लघुसिद्धान्तकौमुदी**—अनुवाद(हिन्दी से संस्कृत में ) | 10 अंक |

### विस्तृत अंक विभाजन

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | (अ) | लघुसिद्धान्तकौमुदी के पूर्वकृदन्त प्रकरण से चार पदों में से दो की सूत्रसहित रूपसिद्धि संस्कृत में करनी है। | 10 अंक |
| | (ब) | लघुसिद्धान्तकौमुदी के पूर्वकृदन्त प्रकरण से चार सूत्रों में से दो की सोदाहरण व्याख्या | 10 अंक |
| 2. | (अ) | लघुसिद्धान्तकौमुदी के उत्तरकृदन्त प्रकरण से चार पदों में से दो की सूत्रसहित रूपसिद्धि | 10 अंक |
| | (ब) | लघुसिद्धान्तकौमुदी के उत्तरकृदन्त प्रकरण से चार सूत्रों में से दो की सोदाहरण व्याख्या | 10 अंक |
| 3. | (अ) | लघुसिद्धान्तकौमुदी के तद्धितप्रकरण के शैषिक प्रकरण प्रत्यय के चार पदों में से दो की सूत्रसहित रूपसिद्धि— | 10 अंक |
| | (ब) | लघुसिद्धान्तकौमुदी के तद्धितप्रकरण केशैषिक प्रकरण प्रत्यय के चार सूत्रों में से दो की सोदाहरण व्याख्या | 10 अंक |
| 4. | (अ) | लघुसिद्धान्तकौमुदी के स्त्री प्रत्ययों से चार पदों में से दो की सूत्रसहित रूपसिद्धि | 10 अंक |
| | (ब) | लघुसिद्धान्तकौमुदी के स्त्री प्रत्ययों से चार सूत्रों में से दो की सोदाहरण व्याख्या | 10 अंक |
| 5. | (अ) | लघुसिद्धान्तकौमुदी के समास प्रकरण से दो पदों में से एक की सूत्रसहित रूपसिद्धि | 05 अंक |
| | (ब) | लघुसिद्धान्तकौमुदी के समास प्रकरण से दोसूत्रों में से एक की सोदाहरण व्याख्या | 05 अंक |
| 6. | | हिन्दी के दो गद्यांशों में से एक गद्यांश का संस्कृत में अनुवाद | 10 अंक |

**सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें—**


1. लघुसिद्धान्तकौमुदी भैमी व्याख्या भाग 1–6 भीमसेन शास्त्री 537 लाजपत राय मार्केट, दिल्ली।
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी – महेश सिंह कुशवाहा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी (कृदन्त, तद्धित एवं स्त्री प्रत्यय) डॉ. रामप्रकाशगुप्त, युवराज पब्लि., आगरा।
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी (समास प्रकरण)– डॉ. अशोक कुमार यादव, युवराज पब्लिकेशन, आगरा।
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी (कारक, समास)– डॉ. कमला पाण्डेय, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
6. एम.ए.संस्कृत व्याकरण – डॉ अर्कनाथ चौधरी,जगदीश संस्कृत पुस्तकालय,जयपुर
7. एम.ए.संस्कृत व्याकरण – डॉ शिवबालक द्विवेदी, ग्रन्थम प्रकाशन, कानपुर।
8. कारकदीपिका– श्री मोहनवल्लभ पंत, रामनारायण बेनीमाधव, इलाहाबाद।
9. कारकसम्बन्धोद्योत– प्रो. श्रीकृष्ण शर्मा, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।
10. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण) – डॉ. सत्यप्रकाश दुबे, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली।
11. स्नातक संस्कृत व्याकरण– डॉ. बाबूलाल मीना, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
12. प्रौढरचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी।
13. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका– डॉ. चक्रधर नौटियाल हंस, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।


अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

228

## एम.ए. संस्कृत उत्तरार्द्ध
### (सभी वर्गों के लिए अनिवार्य)

प्रथम प्रश्न पत्र– **प्राचीन संस्कृत साहित्य एवं शिलालेख**

समय– 3 घण्टे पूर्णांक–100

**पाठ्यक्रम–**

1. **विक्रमांकदेवचरितम्**–(प्रथम सर्ग) 20 अंक
2. **शिशुपालवधम्**– (द्वितीय सर्ग) 20 अंक
3. **शिवराजविजयम्**– (प्रथम एवं द्वितीय निःश्वास) 20 अंक
4. **अर्थशास्त्र**– (प्रथम अधिकरण) 20 अंक
5. **शिलालेख**– (अभिलेख) 20 अंक

### विस्तृत अंक विभाजन

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | (अ) | विक्रमांकदेवचरितम् प्रथम सर्ग में से दो श्लोकों में से एक की सप्रसंग व्याख्या संस्कृत में करनी है। | 10 अंक |
| | (ब) | विक्रमांकदेवचरितम्, प्रथम सर्ग में से दो प्रश्नों में से एक प्रश्न | 10 अंक |
| 2. | (अ) | शिशुपालवधम् द्वितीय सर्ग में से चार श्लोकों में से दो की सप्रसंग व्याख्या | 12 अंक |
| | (ब) | शिशुपालवधम् द्वितीय सर्ग में से दो प्रश्नों में से एक प्रश्न | 08 अंक |
| 3. | (अ) | शिवराजविजयम् प्रथम एवं द्वितीय निःश्वास में से चार गद्यांशों में से दो की सप्रसंग व्याख्या | 12 अंक |
| | (ब) | शिवराजविजयम् प्रथम एवं द्वितीय निःश्वास में से दो प्रश्नों में से एक प्रश्न | 08 अंक |
| 4. | (अ) | अर्थशास्त्र प्रथम अधिकरण में से चार श्लोकों में से दो की सप्रसंग व्याख्या | 12 अंक |
| | (ब) | अर्थशास्त्र प्रथम अधिकरण में से दो प्रश्नों में से एक प्रश्न | 08 अंक |
| 5. | | अभिलेख माला के अभिलेखों में से निम्न अभिलेख पठनीय है– रूद्रदामन् का अभिलेख, कुमार गुप्त का मन्दसौर (दशपुर) शिलालेख, समुद्रगुप्त की प्रयाग प्रशस्ति, स्कन्धगुप्त का जूनागढ़ प्रस्ताभिलेख, मेहरोली का लौह स्तम्भ लेख, यशोधर्मा का कूप शिलालेख उपर्युक्त में से दो पठितांशों में से एक की व्याख्या | 10 अंक |
| | | अभिलेख माला के अभिलेखों में से दो में से एक प्रश्न | 10 अंक |

### सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें–


1. विक्रमांकदेवचरितम्(प्रथम सर्ग) – डॉ. शालिनी सक्सेना, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
2. विक्रमांकदेवचरितम्(प्रथम सर्ग) – डॉ.रमाकान्त पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर।
3. विक्रमांकदेवचरितम् का काव्यात्मक एवं ऐतिहासिक अनुशीलन–डॉ. रामलखन मिश्र,सत्यम् पब्लिशर्स, दिल्ली
4. शिशुपालवधम्(द्वितीय सर्ग) – डॉ. रामदेव साहू , हंसा प्रकाशन, जयपुर।
5. शिशुपालवधम्(द्वितीय सर्ग) – डॉ.श्रद्धा सिंह, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर।
6. शिशुपालवधम् (द्वितीय सर्ग) – डॉ. गणेशदत्त शास्त्री, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
7. शिवराजविजयम् (प्रथम एवं द्वितीय निःश्वास)– डॉ. रूपनारायण त्रिपाठी, हंसा प्रकाशन,जयपुर।
8. शिवराजविजयम् (प्रथम एवं द्वितीय निःश्वास)– डॉ. रमाशंकर मिश्र, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
9. शिवराजविजयम् (प्रथम एवं द्वितीय निःश्वास)– डॉ. कुमरपाल सिंह, युवराज पब्लिकेशन्स, आगरा।
10. अर्थशास्त्र (प्रथम अधिकरण)– डॉ. वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
11. अर्थशास्त्र (प्रथम अधिकरण)– डॉ. मिथिलेश पाण्डेय, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
12. कौटिल्य के अर्थशास्त्र में राजनीतिक चेतना–डॉ. टी. आर. पार्वती, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।
13. कौटिल्य अर्थशास्त्र का भारतीय संविधान– डॉ. टी. आर. पार्वती, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।
14. प्राचीन भारतीय अभिलेख – भगवतीलाल राजपुरोहित, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।


अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

29

15. शिलालेख माला –झा बन्धु, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
16. शिलालेख माला – प्रो. उमाशंकर शर्मा ऋषि, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
17. अभिलेखांजली – डॉ. भेषराज शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर।

**अथवा**

पंचम प्रश्न पत्र–**आधुनिक संस्कृत साहित्य**

समय– 3 घण्टे पूर्णांक–100

**पाठ्यक्रम–**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | **विवेकानन्दविजयम्–** (श्रीधरभास्कर वर्णेकर) | 30 अंक |
| 2. | **भीष्मचरितम्–** (प्रो.हरिनारायण दीक्षित) | 30 अंक |
| 3. | **मधुच्छन्दा–** (प्रो. हरिराम आचार्य) | 10 अंक |
| 4. | **कथानकवल्ली–** (देवर्षि कलानाथ शास्त्री) | 10 अंक |
| 5. | **आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास** | 20 अंक |

विस्तृत अंक विभाजन

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | (अ) | विवेकानन्दविजयम् नाटक के प्रथम पाँच अंकों में से चार में से दो श्लोकों की साप्रसंग व्याख्या | 15 अंक |
| | (ब) | विवेकानन्दविजयम् नाटक के षष्ठ से दशम अंकों में से चार में से दो श्लोकों की साप्रसंग व्याख्या | 15 अंक |
| 2. | (अ) | भीष्मचरितम् महाकाव्य के प्रथम दो सर्गों में से चार में से दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या | 15 अंक |
| | (ब) | भीष्मचरितम् महाकाव्य के तृतीय से पंचम सर्गों में से चार में से दो श्लोकों की साप्रसंग व्याख्या | 15 अंक |
| 3. | मधुच्छन्दा में से दो में एक की सप्रसंग व्याख्या | | 10 अंक |
| 4. | कथानक वल्ली में से दो में से एक गद्यांश की साप्रसंग संस्कृत व्याख्या | | 10 अंक |
| 5. | आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास – निम्नलिखित बिन्दु पठनीय हैं– (अ) नाट्य साहित्य (ब) महाकाव्य साहित्य (स)गद्य साहित्य (कथा एवं उपन्यास) (द) राजस्थान के संस्कृत के आधुनिक प्रमुख साहित्यकार उपर्युक्त में से चार प्रश्नों में से दो प्रश्न (एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत में अपेक्षित है) | | 20 अंक |

**सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें**


1. विवेकानन्दविजयम् –डॉ. विक्रमजीत एवं डॉ. भवानीशंकर शर्मा, हंसा प्रकाशन,जयपुर।
2. विवेकानन्दविजयम्(मूल मात्र)– विवेकानन्द शिलास्मारकप्रकाशन, चेन्नई।
3. विवेकानन्दविजयम् का नाट्यशास्त्रीय अध्ययन– डॉ मूलचन्द, हंसा प्रकाशन, जयपुर
4. भीष्मचरितम्, प्रो. हरिनारायण दीक्षित, ईस्टर्न बुकलिंकर्स, दिल्ली।
5. मधुच्छन्दा – प्रो. हरिराम आचार्य, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर।
6. कथानकवल्ली– देवर्षि कलानाथ शास्त्री, हंसा प्रकाशन,जयपुर।
7. कथानकवल्ली– अनुवाद एवं समीक्षा, डॉ. राजाराम, संजय प्रकाशन, जयपुर।
8. कथानक वल्ली (अनुवाद सहित), शम्भुसिंह बारौठ, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
9. आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. पाठक एवं डॉ सौरोटिया, युवराज पब्लि., आगरा।
10. राजस्थान के प्रमुख संस्कृत मनीषी– डॉ. मधुबाला, हंसा प्रकाशन, जयपुर
11. आधुनिक संस्कृत साहित्येतिहास:, डॉ. रामकुमार दाधीच, हंसा प्रकाशन, जयपुर।


अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल वृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल वृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

30

12. संस्कृत साहित्य का इतिहास– डॉ. विश्वनाथ शर्मा, आदर्श प्रकाशन,जयपुर।
13. संस्कृत साहित्य का इतिहास– डॉ. रामदेव साहू, पंचशील प्रकाशन,जयपुर।
14. संस्कृत साहित्य का इतिहास– डॉ. सच्चिदानन्द तिवारी, शिवांग प्रकाशन, दिल्ली।
15. संस्कृत साहित्य--विविध आयाम– डॉ. पुष्पा गुप्ता, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली।
16. संस्कृत भाषा और साहित्य – डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।
17. राजस्थानीयमभिनवसंस्कृतसाहित्यम्, खण्ड (1–5), सम्पादक– डॉ. गंगाधर भट्ट, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर।
18. राजस्थान के संस्कृत कृतिकार– प. शंकरलाल शास्त्री, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
19. जयपुर की संस्कृत परम्परा– देवर्षि कलानाथ शास्त्री, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
20. राजस्थानस्याधुनिकसंस्कृतकथालेखकाः, सं. डॉ0 पुष्करदत्त शर्मा, राज. संस्कृत अकादमी, जयपुर।
21. आधुनिक संस्कृत साहित्य– डॉ दयानन्द भार्गव, हंसा प्रकाशन, जयपुर।

## अथवा

## लघुशोधप्रबन्ध

**अर्हता**– एम. ए. संस्कृत पूर्वार्ध परीक्षा में 55 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त नियमित छात्र– छात्रायें पंचम प्रश्न पत्र के विकल्प में लघुशोधप्रबन्ध प्रस्तुत कर सकते हैं ।

**स्वरूप**– 100 पृष्ठों से अधिक होगा तथा विभागीय किसी सहायक आचार्य, सहआचार्य और आचार्य के निर्देशन में लिखा जायेगा।

**विषयवस्तु**– लघुशोध प्रबन्ध किसी भी अप्रकाशित/प्रकाशित ग्रन्थ का अनुवाद, विवेचनात्मक, समालोचनात्मक, तुलनात्मक एवं समीक्षात्मक कार्य किया जा सकेगा।

**नोट**– लघुशोध प्रबन्ध को तीन प्रतियों में परीक्षा तिथि से तीन सप्ताह पूर्व सम्बन्धित विभागाध्यक्ष की संस्तुति के साथ महाविद्यालय अथवा विश्वविद्यालय को प्रस्तुत करना होगा।

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)